# सब का सपना

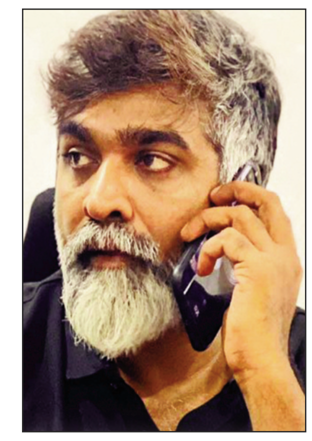

निष्पक्ष व निडर - हिंदी दैनिक समाचार पत्र

गर्मियो की छुट्टीयों में घूमने का प्लान..... पेज: 7

विजय सेतुपति की महाराजा का सीक्वल बनेगा पेज: 8

वर्ष : 01 | अंक : 344 | गुरूवार 26 मार्च 2026 | अमरोहा (उत्तर प्रदेश) | www.sabkasapna.com | पृष्ठ : 08 | मूल्य: 2 रुपए

भेजा शांति संदेश

डील पर ट्रंप का बड़ा दांव

# ईरान को मनाने में जुटे तुर्किए और पाकिस्तान

नई दिल्ली। अमेरिका-इजरायल और ईरान के बीच चल रहे युद्ध को चार हफ्ते पूरे हो रहे हैं और इन चार हफ्तों में इस युद्ध का असर केवल मिडिल ईस्ट पर नहीं, बल्कि पूरी दुनिया पर देखने को मिला है। अमेरिका की तरफ से अब इस युद्ध को रोकने का प्रयास जारी है और उसने पाकिस्तान और तुर्किए को अपना गुप्तचर बनाया है, जो कि ईरान और अमेरिका के बीच बातचीत की कड़ी बने हुए हैं।

**तुर्किए-पाकिस्तान बने गुप्तचर**

रॉयटर्स की रिपोर्ट के मुताबिक, वरिष्ठ ईरानी अधिकारी ने बताया कि पाकिस्तान ने अमेरिका की तरफ से ईरान को एक प्रस्ताव सौंपा है। इस प्रस्ताव में खाड़ी में चल रहे युद्ध का तनाव कम करने के उद्देश्य से होने वाली बातचीत के लिए पाकिस्तान या तुर्किए में से किसी एक को जगह को चुनने का सुझाव दिया गया है।वरिष्ठ ईरानी अधिकारी ने नाम न बताने की शर्त पर बताया कि तेहरान शायद कूटनीतिक प्रस्तावों पर विचार कर

**अमेरिका, इजरायल और ईरान के बीच चार हफ्तों से चल रहे संघर्ष को रोकने का प्रयास कर रहा है। पाकिस्तान और तुर्किए अमेरिका के गुप्तचर बनकर ईरान को खाड़ी में तनाव कम करने के लिए बातचीत का प्रस्ताव दे रहे हैं।**

सकता है, भले ही वह सार्वजनिक तौर पर यह जोर देकर कहता रहा है कि कोई बातचीत नहीं चल रही है और वह राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप के प्रशासन के साथ कोई समझौता नहीं करेगा।सूत्र ने बताया कि तुर्किए ने भी युद्ध खत्म करने में मदद की है और ऐसी बातचीत के लिए जगह के तौर पर तुर्किए या पाकिस्तान में से किसी एक पर विचार करने के लिए ईरान के सामने प्रस्ताव रखा है।

**अमेरिका का 15-सूत्रीय प्रस्ताव**

डोनल्ड ट्रंप ने सोमवार को दावा किया था कि अमेरिका ने ईरान को 15-सूत्रीय प्रस्ताव भेजा है और दोनों देशों के बीच युद्ध रोकने को लेकर बातचीत जारी है। हालांकि ईरान ने ट्रंप के सभी दावों को खारिज करते हुए बताया था कि ईरान और अमेरिका के बीच कोई सीधी बातचीत नहीं है। लेकिन अब समाचार एजेंसी रॉयटर्स की रिपोर्ट के मुताबिक दोनों देशों के बीच बात पाकिस्तान और तुर्किए के जरिए हो रही है।

**ईरान ने पाकिस्तान जा रहे जहाज को होर्मुज से लौटाया**

अमेरिका और ईरान के बीच वार्ता में मध्यस्थता करने के पाकिस्तान के प्रस्ताव से तेहरान बिल्कुल प्रभावित नहीं है। उसने खाद्य सामग्री लेकर कराची जा रहे एक जहाज 'सेलेन' को यह कहते हुए होर्मुज से वापस लौटा दिया कि उसने जलडमरूमध्य से गुजरने के लिए ईरानी नौसेना से अनुमति नहीं ली थी। ईरानी नौसेना के कमांडर रियर एडमिरल अलीरेजा तंगसिरी ने कहा, 'कानूनी प्रोटोकाल का पालन नहीं करने और होर्मुज से गुजरने की अनुमति नहीं होने के कारण नौसेना ने मालवाहक जहाज को वापस भेज दिया। इस जलमार्ग से किसी भी जहाज को गुजरने के लिए ईरान के समुद्री प्राधिकरण के साथ पूर्ण समन्वय आवश्यक है।'

## अजित पवार प्लेन क्रैश में एफआईआर

बेंगलुरु (एजेंसी)। महाराष्ट्र के बारामती में हुए विमान हादसे में डिप्टी सीएम अजित पवार की मौत के मामले में बेंगलुरु में जीरो एफआईआर दर्ज की गई है। एफआईआर उनके भतीजे और एनसीपी (एसपी) विधायक रोहित पवार की शिकायत पर दर्ज हुई है। उन्होंने हादसे को आपराधिक साजिश बताया है। उन्होंने एफआईआर में 5 मुख्य आरोप लगाए हैं। रोहित ने कहा कि उन्होंने मुंबई के मरीन ड्राइव पुलिस स्टेशन, बारामती पुलिस और महाराष्ट्र सीआईडी से संपर्क किया, लेकिन कहीं भी एफआईआर दर्ज नहीं की गई। इसके बाद उन्होंने 23 मार्च को बेंगलुरु में जीरो पर एफआईआर दर्ज कराई। जहां अपराध हुआ है उसे छोड़कर देश के किसी भी थाने में उस अपराध की एफआईआर दर्ज कराई जाती है तब उसे जीरो एफआईआर कहते हैं। इसे फिर संबंधित थाने में ट्रांसफर कर दिया जाता है। कर्नाटक पुलिस ने केस दर्ज कर इसे महाराष्ट्र पुलिस को ट्रांसफर कर दिया है। दरअसल, 28 जनवरी को बारामती एयरपोर्ट पर प्लेन क्रैश में अजित पवार समेत 5 लोगों की मौत हुई थी।

## बिलासपुर में बर्ड फ्लू के प्रकोप ने बढ़ाई प्रशासन की चिंता, रोकथाम की कार्रवाई शुरू

### -संक्रमण के कारण 4,400 मुर्गियों की मौत, 10 किमी तक की जा रही निगरानी

बिलासपुर (एजेंसी)। छत्तीसगढ़ के बिलासपुर जिले में बर्ड फ्लू के प्रकोप ने प्रशासन की चिंता बढ़ा दी है। कोनी इलाके में स्थित एक सरकारी पोल्ट्री फार्म में पिछले कुछ दिनों 4,400 से ज्यादा मुर्गियों की मौत हो गई। रिपोर्ट में संक्रमण की पुष्टि होने के बाद जिला प्रशासन ने युद्धस्तर पर रोकथाम की कार्रवाई शुरू की। पशु चिकित्सा विभाग के संयुक्त निदेशक ने बताया कि 19 से 24 मार्च के बीच कोनी इलाके में स्थित सरकारी पोल्ट्री फ़ार्म में वायरल संक्रमण के कारण करीब 4,400 मुर्गियों की मौत हो गई। इस फ़ार्म में कुल 5,037 मुर्गियां थीं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक अधिकारी ने बताया कि मृत पक्षियों के सैंपल सोमवार को भोपाल और पुणे की लैब में भेजे गए थे। भोपाल की लैब ने मृत मुर्गियों में एवियन इन्फ्लूएंज़ा (बर्ड फ्लू) की पुष्टि हुई है। आधिकारिक बयान के मुताबिक पुष्टि होने के बाद जिला कलेक्टर संजय अग्रवाल ने एवियन इन्फ्लूएंज़ा की रोकथाम और नियंत्रण के लिए रोकथाम और बचाव के लिए तत्काल निर्देश जारी किए हैं। बयान में कहा गया है कि फार्म के एक किलोमीटर के दायरे को संक्रमित क्षेत्र और 10 किलोमीटर के दायरे को निगरानी क्षेत्र घोषित किया गया है। प्रोटोकॉल के मुताबिक संक्रमित क्षेत्र के अंदर पोल्ट्री पक्षियों, उनके चारे और अंडों को नष्ट कर दिया जाएगा और उनके आवागमन पर पूरी तरह से प्रतिबंध लगा दिया जाएगा। इसके लिए पशुपालन विभाग द्वारा पोल्ट्री पक्षियों के मालिकों को मुआवज़ा दिया जाएगा। मुर्गियों को मारने की प्रक्रिया पूरी होने के बाद, फार्म को सील कर दिया जाएगा। बयान में कहा गया है कि प्रभावित क्षेत्र में संक्रमित पक्षियों को मारने, उनका सुरक्षित निपटान करने, निगरानी रखने और सैनिटाइज़ेशन के उपाय करने के लिए रैपिड रिस्पॉन्स टीमें गठित की गई हैं।

## डबल डेकर बस पलटी, 2 की मौत

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली के करोल बाग में डबल डेकर बस के पलट जाने से बड़ा हादसा हो गया है। हादसे में दो लोगों की मौत हो चुकी है और कई घायल हैं। बस में 25 यात्री सवार थे जब यह हादसा हुआ। दिल्ली पुलिस ने हादसे का संज्ञान लिया है और मामले की जांच शुरू कर दी गई है। बताया जा रहा है कि यह बस राजस्थान से आ रही थी और हनुमान मंदिर चौक के पास पलट गई। तीन दिन पहले जयपुर-दिल्ली हाईवे पर भी एक बड़ा हादसा हुआ था। उस दौरान हरियाणा रोडवेज की तेज रफ्तार बस चंदवाजी इलाके में एक बाइक से टकरा गई थी। बाइक पर चार लोग सवार थे, जिनमें से तीन की दर्दनाक मौत हो गई। इसके अलावा दिल्ली के नांगलोई में कुछ दिन पहले एक डीटीसी बस ने स्कूटर सवार युवक को कुचल दिया। हादसे में युवक की मौके पर ही मौत हो गई। साथ ही, एक ई-रिक्शा और कुछ लोग बस की चपेट में आ गए, जिसके बाद घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया था।

## आप विधायक रेप केस में गिरफ्तार, हरियाणा से भागे थे, मप्र से पकड़ा

पटियाला (एजेंसी)। आम आदमी पार्टी के विधायक हरमीत पठानमाजरा को पटियाला पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। वह 2 साल पुराने रेप केस में वांटेड थे। पठानमाजरा केस दर्ज होने के बाद पहले हरियाणा के करनाल में घेरे गए थे, लेकिन वह कस्टडी से फरार हो गए। इसके बाद वह ऑस्ट्रेलिया चले गए थे। पुलिस ने उनका लुकआउट सर्कुलर जारी कर रखा था। पठानमाजरा 2022 में पटियाला की सनौर विधानसभा सीट से विधायक चुने गए हैं। केस में राहत के लिए पठानमाजरा ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर कर रखी थी। इसकी सुनवाई बुधवार को ही होनी थी। इसी को लेकर वह करीब 5 दिन पहले ऑस्ट्रेलिया से भारत लौटे थे। वह दिल्ली ही आ रहे थे, लेकिन पटियाला पुलिस को इसकी भनक लग गई। इसके बाद उन्हें मध्यप्रदेश के शिवपुरी में ग्वालियर बाइपास पर गिरफ्तार कर लिया। केस दर्ज होने के बाद वह पिछले 6 महीने से फरार चल रहे थे। पठानमाजरा पर बाढ़ के दौरान अफसरों के खिलाफ बयानबाजी के बाद केस दर्ज हुआ था। उन्होंने आरोप लगाया था कि आप की दिल्ली टीम के खिलाफ बोलने की वजह से उनके खिलाफ पुराने मामले में एफआईआर की गई है।

## सरकार ऐसे समय प्रस्ताव पर चर्चा कर रही, जब चुनावों को लेकर आचार संहिता लागू है

### –सीएम स्टालिन ने महिला आरक्षण अधिनियम में संशोधन के प्रस्ताव पर जताई आपत्ति

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** तमिलनाडु के सीएम और डीएमके प्रमुख एमके स्टालिन ने महिला आरक्षण अधिनियम में संशोधन किए जाने के प्रस्ताव पर आपत्ति जताई है। उनका कहना है कि केंद्र सरकार ने पांच राज्यों के चुनावों को देखते हुए यह फैसला लिया है। उन्होंने 2011 की जनगणना को ही आधार मानकर महिला आरक्षण लागू करने पर आपत्ति जताई। उन्होंने कहा कि सरकार ऐसे समय में इस प्रस्ताव पर चर्चा कर रही है, जब चार राज्यों और पुदुचेरी में चुनाव होने हैं और वहां आचार संहिता लागू है। उन्होंने कहा कि यह अप्रत्याशित है। उन्होंने एक्स पर लिखा कि कुछ मीडिया रिपोर्ट्स में कहा जा रहा है कि संसद और विधानसभाओं में महिला आरक्षण पर सरकार 2011 की जनगणना के आधार पर विचार कर रही है। यह 128वें संविधान संशोधन के विपरीत है, जो 2023 में पारित हुआ था। उन्होंने कहा कि यह जरूरी है कि 2026 की जनगणना के आधार पर इसे लागू किया जाए। ऐसी ही बात 2023 के महिला आरक्षण एक्ट में कही गई थी। उन्होंने कहा कि हम बिना किसी शर्त के महिला आरक्षण का समर्थन करते हैं, लेकिन यह जरूरी है कि सीटों का परिसीमन सही तरीके से किया जाए।

इसके साथ ही उन्होंने परिसीमन में आनुपातिक प्रतिनिधित्व से किसी छेड़छाड़ का विरोध किया। इसके साथ ही उन्होंने अगले 30 सालों के लिए इस बात की गारंटी मांगी कि जो परिसीमन तय हो जाएगा, उसमें तीन दशकों तक कोई बदलाव नहीं किया जाएगा। स्टालिन ने कहा कि यह हमारा मानना रहा है कि राज्यों में लोकसभा सीटों का जो अनुपात है, उसमें किसी तरह का बदलाव ना किया जाए। यह गारंटी अगले 30 सालों के लिए हो। उन्होंने कहा कि सरकार को फिलहाल इस प्रस्ताव को रोक लेना चाहिए। इसके लिए सरकार को जून की शुरुआत में एक विशेष सत्र बुलाना चाहिए, जिसमें महिला आरक्षण में संशोधन पर विचार किया जाए।

## ईरान-इजराइल युद्ध में मध्यस्थता पाक जैसे देश कर रहे पीएम मोदी को भी करनी चाहिए थी

### –सपा सांसद ने कहा– किस देश से कैसे संबंध रहेंगे यह हमारे पीएम ही फैसला लेते हैं

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** समाजवादी पार्टी के राज्यसभा सांसद रामगोपाल यादव ने कहा है कि पश्चिमी एशिया में संघर्ष के दौरान पीएम मोदी को मध्यस्थता करनी चाहिए थी। उन्होंने कहा कि भारत दुनिया का सबसे बड़ा लोकतांत्रिक देश है। ईरान-इजराइल युद्ध में पाकिस्तान की ओर से मध्यस्थता के सवालों पर रामगोपाल यादव ने कहा कि पाकिस्तान, मिस्र और तुर्किए तीन देश मध्यस्थता कर रहे हैं। यह मध्यस्थता पीएम मोदी और भारत को भी करनी चाहिए थी।

उन्होंने आगे कहा कि बहुत सारे देशों ने पीएम मोदी को अपना सबसे बड़ा राष्ट्रीय सम्मान भी दिया है। पीएम मोदी की डोनाल्ड ट्रंप के साथ क्या बातचीत हुई। संसद और देश को उन्हें इस बारे में बताना चाहिए। यादव ने भारत की विदेश नीति पर लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी की ओर से उठाए गए सवालों पर भी प्रतिक्रिया दी।

उन्होंने कहा कि विदेश नीति जो है, वो

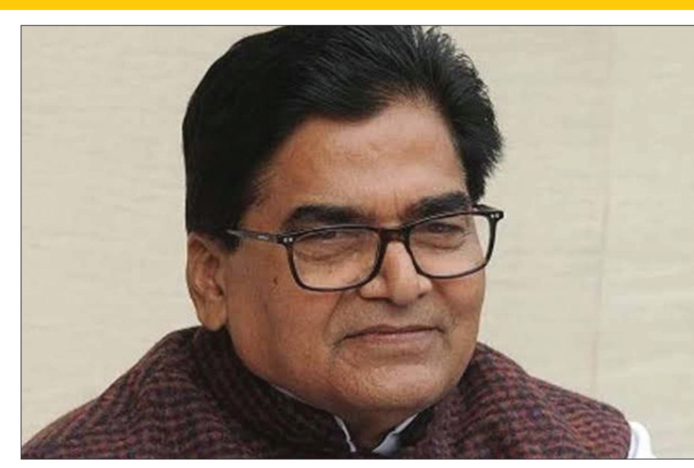

मूल रूप से पीएम मोदी के नेतृत्व में होता है कि हमारे किस देश से कैसे संबंध रहेंगे ये पीएम ही फैसला लेते हैं। जवाहरलाल नेहरू से लेकर हमेशा यही हुआ है। हमारी गुटनिरपेक्ष नीति थी, उसके निर्माता जवाहरलाल नेहरू थे। अब वह उससे हट रहे हैं तो उससे हटने वाले पीएम मोदी हैं। केंद्र सरकार की ओर से सर्वदलीय बैठक पर बुलाने पर रामगोपाल यादव ने कहा कि बुधवार को सर्वदलीय बैठक बुलाई गई है। इस बारे में मंगलवार को सूचना मिली थी। समाजवादी पार्टी की ओर से जावेद अली खान और धर्मेंद्र यादव जाएंगे। पार्टियों की तरफ से दो-दो नेता जाएंगे।

इसी दौरान सपा सांसद ने संसद में पेश होने वाले केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल विधेयक का विरोध किया। उन्होंने कहा कि इस विधेयक में आपत्ति ही आपत्ति हैं। सरकार से कौन लड़ सकता है। सुप्रीम कोर्ट के फैसले को वह नहीं मानती है। असिस्टेंट कमांडेंट 30 साल में भी डिप्टी कमांडेंट नहीं बन पाता है। उसी परीक्षा से पास हुए आईपीएस डीजी बन जाते हैं। सेना में मेजर जनरल और लेफ्टिनेंट जनरल बन जाते हैं। पता होना चाहिए कि निराशा में कितने लोगों ने डीआरएस लिया।

उन्होंने कहा कि मैंने शून्यकाल में इसके विरोध में आवाज उठाई थी। सपा सांसद ने कहा कि राजनेताओं की रक्षा यही जवान करते हैं। सीमा से लेकर देश के अंदर शहीद होने वाले सबसे ज्यादा यही जवान होते हैं।

## बंगाल में 'बुआ-भतीजा' मॉडल भाजपा के मजबूत ढांचे को सीधे चुनौती दे रहा

### जहां बीजेपी मजबूत वहां खुद ममता ने संभाली कमान

**कोलकाता (एजेंसी)।** पश्चिम बंगाल में चुनावी मुकाबला दिलचस्प मोड़ पर पहुंच गया है, जहां ममता बनर्जी और उनके भतीजे अभिषेक बनर्जी ने भाजपा को चुनौती देने के लिए उत्तर और दक्षिण बंगाल में अलग-अलग रणनीति अपना रहे है। वहीं तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) ने 291 उम्मीदवारों की सूची जारी कर चुनावी अभियान को तेज किया है, जबकि भारतीय जनता पार्टी ने भी समय से पहले उम्मीदवार घोषित कर आक्रामक रुख दिखाया है। चुनाव में टीएमसी की रणनीति के तहत ममता खुद उत्तर बंगाल में प्रचार की कमान संभाल रही हैं, जहां भाजपा परंपरागत रूप से मजबूत मानी जाती है। उन्होंने अलीपुरद्वार से अभियान की शुरुआत की और दार्जिलिंग, जलपाईगुड़ी जैसे इलाकों में रैलियां और बैठकों की योजना बनाई है। इसके अलावा फुलबारी और नक्सलबाड़ी जैसे क्षेत्रों में भी उनका फोकस रहेगा। उत्तर बंगाल में भाजपा ने 2019 के लोकसभा और 2021 के विधानसभा चुनावों में अच्छा प्रदर्शन किया था, इसलिए ममता यहां सीधे मुकाबला करने उतरी हैं।

वहीं दूसरी ओर अभिषेक को दक्षिण बंगाल की जिम्मेदारी दी गई है, जहां टीएमसी पारंपरिक रूप से मजबूत रही है। उनका ध्यान जिलों में

संगठन को मजबूत करने और जमीनी स्तर पर कार्यकर्ताओं को सक्रिय करने पर है। इस तरह ÷बुआ-भतीजा÷ की जोड़ी राज्य के दोनों हिस्सों में संतुलित प्रचार रणनीति के जरिए चुनावी नतीजों को प्रभावित करने की कोशिश कर रही है।

उधर भाजपा भी पूरी ताकत झोंक रही है। पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन, सुनील बंसल और भूपेंद्र यादव राज्य में सक्रिय हैं। सिलीगुड़ी और दुर्गापुर में बैठकों के जरिए संगठन को मजबूत करने की कोशिश की जा रही है। भाजपा की रणनीति बूथ स्तर तक पहुंच बनाने, घर-घर संपर्क अभियान चलाने और केंद्र सरकार की योजनाओं को प्रचारित करने पर केंद्रित है। कुल मिलाकर, बंगाल का चुनाव इस बार उत्तर बनाम दक्षिण की रणनीति पर टिका नजर आ रहा है, जहां टीएमसी का 'बुआ-भतीजा' मॉडल भाजपा के मजबूत ढांचे को चुनौती देने की कोशिश कर रहा है। अब देखना होगा कि यह रणनीति चुनावी नतीजों को कितना प्रभावित कर पाती है।

## 13 साल की खामोशी का अंत... ग्रीन पार्क में हो रहा हरीश राणा का अंतिम संस्कार

### – दिल्ली के ग्रीन पार्क में हो रहा हरीश राणा का अंतिम संस्कार

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** 13 साल कोमा में रहने के बाद हरीश राणा ने मंगलवार को आखिरी सांस ली। उनका अंतिम संस्कार दिल्ली के ग्रीन पार्क में हो रहा है। ब्रह्मकुमारी के सदस्य भी प्रार्थना करने श्मशान घाट पहुंचे हैं। देश में इच्छामृत्यु की अनुमति पाने वाले पहले व्यक्ति हरीश राणा का मंगलवार को निधन हो गया था। बुधवार को उनका अंतिम संस्कार दिल्ली के ग्रीन पार्क स्थित श्मशान घाट में किया जा रहा है। 13 साल तक कोमा में रहने के बाद उनके जीवन का यह लंबा और दर्दभरा अध्याय आखिरकार समाप्त हो गया। ग्रीन पार्क में अंतिम संस्कार के दौरान हरीश के परिवार के कई लोग मौजूद हैं। बुधवार को हरीश राणा के पार्थिव शरीर को अंतिम संस्कार के लिए ग्रीन पार्क श्मशान घाट लाया गया, जहां परिवार और करीबी लोगों की मौजूदगी में अंतिम विदाई दी जा रही है। 31 वर्षीय हरीश वर्ष 2013 से कोमा में थे। वह पंजाब यूनिवर्सिटी में बीटेक के छात्र थे और चौथी मंजिल की बालकनी

से गिर गए थे। इस हादसे के बाद से वह लगातार कोमा में रहे और पूरी तरह चिकित्सा देखरेख पर निर्भर हो गए। अंतिम दिनों में हरीश राणा से जुड़ा एक वीडियो भी सामने आया था, जिसमें ब्रह्म कुमारी के सदस्य हरीश के घर पर प्रार्थना करते नजर आए। उन्होंने आत्मा की शांति के लिए विशेष प्रार्थना की और उन्हें शांति से विदा होने की कामना की। ब्रह्मकुमारी के सदस्य भी श्मशान घाट पहुंचे हैं। वे यहां प्रार्थना करेंगे। हाल ही में सुप्रीम कोर्ट के एक ऐतिहासिक फैसले के बाद उन्हें पैसिव यूथेनेशिया की अनुमति दी गई थी। कोर्ट ने जीवन रक्षक उपकरणों को हटाने की इजाजत दी थी, ताकि उन्हें प्राकृतिक मृत्यु मिल सके। इसके तहत उन्हें इस महीने की शुरुआत में गाजियाबाद स्थित घर से दिल्ली के एम्स में पेलिएटिव केयर यूनिट में शिफ्ट किया गया था। हरीश के पिता अशोक राणा ने इस फैसले को 'बेहद दर्दनाक लेकिन जरूरी' बताया था। पिछले 13 सालों से उनका परिवार हर संभव प्रयास करता रहा। आर्थिक और मानसिक दबाव के बावजूद परिवार ने उनका इलाज जारी रखा, यहां तक कि इलाज के लिए अपना घर तक बेच दिया।

## महिला आरक्षण लागू होने के साथ ही लोकसभा सीटों की संख्या हो जाएंगी 816

### -यूपी में 120 तो महाराष्ट्र में 72 और बिहार से चुने जाएंगे 60 सांसद

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** महिला आरक्षण को लेकर सरकार ने बीते लोकसभा चुनाव से ठीक पहले कानून पारित किया था, लेकिन अब उसमें संशोधन करने की तैयारी कर रही है। ऐसा इसलिए ताकि 2029 के लोकसभा चुनाव में इसे लागू किया जा सके। यही नहीं इस संबंध में जल्द ही संशोधन विधेयक लाया जा सकता है। यदि आने वाले लोकसभा चुनाव में ही महिला आरक्षण को लागू किया गया तो फिर राज्यों में सीटों का समीकरण भी बदलेगा। महिला आरक्षण लागू होने के साथ ही लोकसभा सीटों की संख्या 816 हो सकती है। फिलहाल 543 सीटें हैं। कुल 816 सीटों में से 273 सीटें महिलाओं के लिए आरक्षित होंगी। राज्यों की बात करें तो पहले की तरह ही सबसे ज्यादा लोकसभा सीटें यूपी में होंगी। यहां 120 सांसद चुने जा सकते हैं।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक बिहार में सीटों की संख्या 40 से बढ़कर 60 हो सकती है। अब तक 48 सांसद दिल्ली भेजने वाले महाराष्ट्र में लोकसभा सीटों की संख्या 72 हो सकती है। फिलहाल दक्षिण भारत के राज्यों की जो चिंता है कि उनकी सीटें कम हो सकती हैं। उसका भी ध्यान रखा गया है और 2029 के आम चुनाव में 2011 की जनगणना के मुताबिक ही सीटों की संख्या तय होगी। इसीलिए अभी जो सीटों का अनुपात है, उसके मुताबिक सीटें जुड़ेंगी। इस तरह भले ही सीटों की संख्या यूपी, बिहार, महाराष्ट्र जैसे राज्यों में बढ़ जाएगी, लेकिन उनके अनुपात में कोई बदलाव नहीं आएगा।

जानकारी के मुताबिक महिला आरक्षण में संशोधन के लिए सरकार विपक्ष से बात कर रही है। इसकी जिम्मेदारी कई नेताओं के पास है और गृहमंत्री अमित शाह ने भी कई विपक्षी दलों से बात की है। सूत्रों का कहना है कि विपक्ष को भरोसा दिलाया है कि 2029 के आम चुनाव में 2011 की जनगणना के मुताबिक ही सीट संख्या तय होगी। इसके तहत यूपी की 120 सीटें होंगी और इनमें से 33 फीसदी यानी 40 सीटें महिलाओं के लिए रहेंगी। ऐसे ही महाराष्ट्र में 72 सीटें होंगी और 24 सीटें महिलाओं के लिए रहेंगी। पश्चिम बंगाल की सीटें 42 से बढ़कर 63 हो सकती हैं और इनमें से 21 महिलाओं के लिए रहेंगी। इसी तरह बिहार में महिलाओं के लिए 20 सीटें होंगी।

तमिलनाडु में कुल लोकसभा सीटें 39 से बढ़कर 59 हो सकती हैं। इनमें से 20 महिलाओं के लिए रहेंगी।

इसी तरह मध्य प्रदेश में 44 सीटें हो सकती हैं और इनमें से 15 महिलाओं के लिए रहेंगी। नए समीकरणों के तहत अरुणाचल प्रदेश, गोवा, मणिपुर, मेघालय, त्रिपुरा जैसे छोटे राज्यों की सीटें भी 2 से बढ़कर 3 हो सकती हैं। मिजोरम, नागालैंड, सिक्किम में भी दो सीटें बढ़ सकती हैं।

फिलहाल इन राज्यों से एक ही सांसद चुना जाता है। ऐसे ही दिल्ली के सांसदों की संख्या 11 हो सकती है, जिनमें से 4 सीटें महिलाओं के लिए रहेंगी। जम्मू-कश्मीर में सीटों की संख्या 5 से बढ़कर 8 हो जाएगी और महिलाओं के लिए तीन सीटें रहेंगी।

# भगवान श्री राम मयार्दा,आदर्श रामराज्य का जीवंत दर्शन

विनोद कुमार सिंह

**श्रीराम केवल इतिहास के पात्र नहीं हैं,बल्कि वे एक ऐसी चेतना हैं,जो हर युग में प्रासंगिक रहती है।उनका जीवन यह संदेश देता है कि मयार्दा में रहकर भी महानता प्राप्त की जा सकती है, और आदर्शों का पालन करते हुए भी सफलता हासिल की जा सकती है। वाल्मीकि के यथार्थवादी राम और तुलसी के भक्तिमय राम - दोनों मिलकर हमें यह सिखाते हैं कि जीवन को कैसे संतुलित, सार्थक और श्रेष्ठ बनाया जाए। 'भय प्रकट पाला दीन दयाला' की यह पंक्ति केवल एक काव्यात्मक अभिव्यक्ति नहीं,बल्कि यह विश्वास है कि जब भी मानवता संकट में होती है, तब राम किसी न किसी रूप में उसके रक्षक बनकर सामने आते हैं।**

*भय प्रकट पाला दीन दयाला, कौशल्या हितकारी...*
भारतीय संस्कृति की आत्मा में यदि किसी चरित्र ने सबसे गहरी और स्थायी छाप छोड़ी है,तो वह हैं भगवान श्रीराम। उनका जीवन केवल एक धार्मिक आख्यान नहीं, बल्कि एक ऐसा नैतिक दर्शन है,जो युगों-युगों से मानवता को दिशा देता आया है। 'भय प्रकट पाला दीन दयाला,कौशल्या हितकारी' की यह पंक्ति उस दिव्य क्षण का स्मरण कराती है,जब स्वयं धर्म ने मानव रूप धारण कर पृथ्वी पर अवतार लिया। राम नवमी का पर्व इसी सत्य का उत्सव है,परंतु यह केवल उत्सव नहीं, बल्कि आत्ममंथन का भी अवसर है।श्रीराम का सम्पूर्ण जीवन मयार्दा की एक ऐसी रेखा है,जिसे उन्होंने हर परिस्थिति में निभाया। यही कारण है कि उन्हें 'मयार्दा पुरुषोत्तम' कहा गया।उन्होंने यह सिद्ध किया कि महानता शक्ति में नहीं,बल्कि उस शक्ति के संयमित और न्यायपूर्ण उपयोग में निहित होती है।जब पिता की आज्ञा के कारण उन्हें वनवास का निर्णय लेना पड़ा, तब उन्होंने न तो परिस्थितियों से संघर्ष किया और न ही अपने अधिकारों का आग्रह किया,बल्कि सहज भाव से कर्तव्य को स्वीकार किया। यह केवल त्याग नहीं था, बल्कि यह उस आदर्श का प्रतिपादन था,जिसमें व्यक्ति अपने व्यक्तिगत सुख से ऊपर समाज और परिवार के धर्म को रखता है।

श्रीराम का जीवन इस बात का प्रमाण है कि मयार्दा केवल सीमाओं का बंधन नहीं, बल्कि जीवन को संतुलित और सार्थक बनाने का माध्यम है।उन्होंने अपने प्रत्येक संबंध को उसी गरिमा के साथ निभाया,जो एक आदर्श समाज की नींव बनती है। चाहे वह भ्रातृ प्रेम हो, पत्नी के प्रति निष्ठा हो,मित्रता का निर्वाह हो या प्रजा के प्रति उत्तरदायित्व - हर स्थान पर उन्होंने एक ऐसी मिसाल कायम की,जो आज भी प्रासंगिक है।श्रीराम के व्यक्तित्व को समझने के लिए भारतीय परंपरा के दो महान ग्रंथ विशेष रूप से उल्लेखनीय हैं—वाल्मीकि रामायण और रामचरितमानस।महर्षि वाल्मीकि द्वारा रचित रामायण में राम एक आदर्श मानव के रूप में चित्रित होते हैं,जो जीवन की कठिनाइयों,संघर्षों और द्वंद्वों से गुजरते हुए भी धर्म का मार्ग नहीं छोड़ते। वहाँ राम ईश्वर से अधिक एक ऐसे पुरुष हैं, जो अपने निर्णयों के माध्यम से यह दिखाते हैं

कि परिस्थितियाँ चाहे जैसी भी हों,यदि मनुष्य अपने सिद्धांतों पर अडिग रहे,तो वह आदर्श बन सकता है।वहीं गोस्वामी तुलसीदास के रामचरितमानस में श्रीराम का स्वरूप और भी व्यापक हो जाता है। यहाँ वे केवल एक राजा या नायक नहीं, बल्कि करुणा और भक्ति के साकार रूप हैं।तुलसीदास ने उन्हें 'दीनदयाल' और 'भक्तवत्सल' के रूप में प्रस्तुत किया, जो हर उस व्यक्ति के सहायक हैं,जो सच्चे मन से उनकी शरण में आता है। इस प्रकार वाल्मीकि के राम जहाँ यथार्थ के धरातल पर खड़े हैं, वहीं तुलसी के राम अध्यात्म की ऊँचाइयों को स्पर्श करते हैं।दोनों मिलकर राम के उस समग्र स्वरूप को प्रस्तुत करते हैं,जिसमें मानवता और दिव्यता का अद्भुत संगम दिखाई देता है।

इसका अनुठा व अनोखा संगम का सबसे सुंदर और जीवंत रूप 'रामराज्य' में देखने को मिलता है। रामराज्य केवल एक ऐतिहासिक प्रसंग नहीं, बल्कि एक आदर्श शासन व्यवस्था का प्रतीक है, जहाँ न्याय,समानता,सुरक्षा और समृद्धि का संतुलन स्थापित होता है।श्रीराम के शासन में प्रजा केवल शासित नहीं थी, बल्कि वह स्वयं को सुरक्षित,सम्मानित और संतुष्ट अनुभव करती थी। वहाँ भय का स्थान नहीं था,अन्याय का अस्तित्व नहीं था और शासन का उद्देश्य केवल जनकल्याण था।

रामराज्य की कल्पना आज भी उतनी ही प्रासंगिक है, जितनी त्रेता युग में थी। वर्तमान समय में जब समाज अनेक प्रकार के संकटों से जूझ रहा है -नैतिक पतन, सामाजिक असंतुलन और प्रशासनिक चुनौतियाँ—तब रामराज्य एक मार्गदर्शक सिद्धांत के रूप में हमारे सामने आता है। यह हमें सिखाता है कि यदि शासन में पारदर्शिता हो,समाज में समरसता हो और व्यक्ति के जीवन में मयार्दा हो, तो किसी भी राष्ट्र को आदर्श बनाया जा सकता है।

श्रीराम का जीवन यह भी सिखाता है कि सच्चा अध्यात्म केवल पूजा और अनुष्ठान में नहीं,बल्कि आचरण में निहित होता है। उन्होंने कभी अपने आदर्शों का उपदेश नहीं दिया, बल्कि उन्हें अपने जीवन में उतारकर दिखाया। यही कारण है कि उनका प्रभाव केवल धार्मिक क्षेत्र तक सीमित नहीं रहा,बल्कि सामाजिक, राजनीतिक और नैतिक जीवन के हर आयाम को उन्होंने प्रभावित किया।

आज के युग में,जब व्यक्ति अपनी स्वतंत्रता के नाम पर मयार्दाओं को भूलता जा रहा है,तब श्रीराम का जीवन एक संतुलन की प्रेरणा देता है।वे यह सिखाते हैं कि स्वतंत्रता का वास्तविक अर्थ अनुशासन और उत्तरदायित्व के साथ जुड़ा हुआ है। यदि व्यक्ति अपने कर्तव्यों को समझे और उन्हें ईमानदारी से निभाए,तो समाज में स्वतः ही संतुलन स्थापित हो जाएगा।

राम नवमी का यह पावन अवसर हमें यह सोचने के लिए प्रेरित करता है कि क्या हम अपने जीवन में उन आदर्शों को स्थान दे पा रहे हैं, जिनका प्रतिपादन श्रीराम ने किया था। क्या हमारे निर्णयों में सत्य और धर्म का स्थान है,क्या हमारे व्यवहार में करुणा और संवेदनशीलता है,क्या हम अपने कर्तव्यों के प्रति उतने ही सजग हैं,जितने श्रीराम थे।यदि इन प्रश्नों के उत्तर हम खोजने का प्रयास करें, तो यही इस पर्व का वास्तविक उद्देश्य सिद्ध होगा।

अंत में श्रीराम केवल इतिहास के पात्र नहीं हैं,बल्कि वे एक ऐसी चेतना हैं,जो हर युग में प्रासंगिक रहती है।उनका जीवन यह संदेश देता है कि मयार्दा में रहकर भी महानता प्राप्त की जा सकती है, और आदर्शों का पालन करते हुए भी सफलता हासिल की जा सकती है। वाल्मीकि के यथार्थवादी राम और तुलसी के भक्तिमय राम - दोनों मिलकर हमें यह सिखाते हैं कि जीवन को कैसे संतुलित, सार्थक और श्रेष्ठ बनाया जाए। 'भय प्रकट पाला दीन दयाला' की यह पंक्ति केवल एक काव्यात्मक अभिव्यक्ति नहीं,बल्कि यह विश्वास है कि जब भी मानवता संकट में होती है, तब राम किसी न किसी रूप में उसके रक्षक बनकर सामने आते हैं।आज आवश्यकता केवल इस बात की है कि हम अपने भीतर के राम को पहचानें और उनके आदर्शों को अपने जीवन में उतारें।यही सच्चे अर्थों में राम नवमी का उत्सव है, यही उस दिव्य अवतरण का वास्तविक संदेश भी समाज व राष्ट्र के लिए देता है ।

## संपादकीय

### लाचार पर मार

बीमा कारोबार की जटिलताएं हमेशा से ही आमजन के लिए एक अनसुलझी गुत्थी रही हैं। हमारी भविष्य की आशंकाओं व भय पर फल-फूल रहे इस कारोबार को लेकर गाहे-बगाहे परेशान करने वाली खबरें आती रहती हैं। लेकिन इसके बावजूद तेजी से फल-फूल रहे विभिन्न बीमा कारोबारों की विसंगतियां कम नहीं हुई हैं। इसी तरह मेडिकल बीमा को लेकर बड़ी संख्या में शिकायतें सामने आती रही हैं। दरअसल, लगातार महंगी होती चिकित्सा सुविधाओं के दौर में, भविष्य में महंगे इलाज का खर्च उठाने का भरोसा दिलाकर बीमा कंपनियां लोगों को बीमा पॉलिसियां खरीदने को मानसिक रूप से तैयार कर लेती हैं। लेकिन विडंबना यह है कि जब वास्तव में कोई बीमार पड़ता है तो इलाज पर हुए खर्च के भुगतान को लेकर तमाम किंतु-परंतु बीमा कंपनियां करने लगती हैं। कई खामियां निकाली जाती हैं, जिनके बारे में बीमा धारक को पता ही नहीं होता है। कई बार तो छिपे-ढके कारण बताकर चिकित्सा खर्च की भरपाई करने से भी मना कर दिया जाता है। भारतीय बीमा विनियामक और विकास प्राधिकरण यानी आईआरडीए के आंकड़ों ने बीमा कंपनियों के मुनाफा खेल को उजागर किया है। रिपोर्ट में कहा गया है कि वर्ष 2024 में छब्बीस हजार करोड़ रुपये के बीमा दावे खारिज किए गए थे। निस्संदेह, ये आंकड़ा बीमा कंपनियों तथा पांच सितारा अस्पताल प्रबंधकों के अपवित्र गठबंधन को ही दशार्ता है। बाकायदा पिछले दिनों राज्यसभा में निजी अस्पतालों और स्वास्थ्य बीमा कंपनियों के अपवित्र गठजोड़ का मामला उठाया गया। जो हर साल हजारों लोगों को कर्ज व गरीबी की दलदल में धकेल देता है। अक्सर आरोप लगता है कि मरीजों को उपचार के मुकाबले बेहद कम राशि का भुगतान किया जाता है। ऐसा नहीं है कि प्राइवेट अस्पतालों व बीमा कंपनियों के मध्य सांठगांठ के मामले सामने नहीं आते। लेकिन हमारा नियामक-तंत्र सारे घटनाक्रम की अनदेखी कर देता है। विडंबना यह भी है कि केंद्र व राज्य सरकारों के स्तर पर भी इस मुनाफाखोरी पर समय रहते अंकुश नहीं लगाया जाता है, जिससे लोगों को उलटे उस्तरे से मूंडने का खेल बदस्तूर जारी रहता है। दरअसल, लोग जब कोई स्वास्थ्य बीमा कराते हैं तो उन बारीकियों के बारे में नहीं बताया जाता है, जिसके आधार पर मरीजों के चिकित्सा बीमा राशि को खारिज किया जाता है। अक्सर इलाज के बड़े खर्चे के दावे को कई मीन-मेख निकालकर नकार दिया जाता है। कई बार तो अमानवीयता की हदें भी सामने आती हैं जब मरीज की मृत्यु पर, खर्च चुकाने में असमर्थ होने पर अस्पताल प्रबंधक परिजनों को पार्थिव शरीर तक को देने से मना कर देते हैं। जबकि इस बारे में अदालत व सरकार की तरफ से सख्त आदेश हैं कि बकाया राशि के लिए किसी मरीज के शव को रोका नहीं जा सकता। दरअसल, चिकित्सा बीमा आज देश-दुनिया में बड़ा कारोबार बन गया है। लेकिन पश्चिमी देशों में भुगतान में ईमानदारी व कार्यशैली में पारदर्शिता से इस व्यवसाय का विस्तार हुआ है। लेकिन भारत में ईमानदारी, पारदर्शिता के अभाव व दोषपूर्ण कार्यशैली से चिकित्सा बीमा के औचित्य पर ही सवाल उठते हैं।

## चिंतन-मनन

### प्रकाशस्रोत परमात्मा

परमात्मा या भगवान ही सूर्य, चन्द्र तथा नक्षत्रों जैसी प्रकाशमान वस्तुओं के प्रकाशस्त्रोत हैं। वैदिक साहित्य बताता है कि वैकुंठ राज्य में सूर्य या चन्द्रमा की आवश्यकता नहीं पड़ती, क्योंकि वहां परमेश्वर का तेज विद्यमान है।भौतिक जगत में ब्रम्हज्योति या भगवान का आध्यात्मिक तेज भौतिक तत्वों से ढका रहता है। अतः हमें सूर्य, चन्द्र, बिजली आदि के प्रकाश की आवश्यकता पड़ती है। वैदिक साहित्य में स्पष्ट है कि भगवान आध्यात्मिक जगत (वैकुंठ लोक) में स्थित हैं।श्वेतातर उपनिषद में कहा गया है- आदित्यवर्ण तमसः परस्तात अर्थात वे सूर्य की भांति अत्यन्त तेजोमय हैं, लेकिन भौतिक जगत के अन्धकार से बहुत दूर हैं। उनका ज्ञान दिव्य है। वैदिक साहित्य पुष्टि करता है कि ब्रम्ह घनीभूत दिव्य ज्ञान है। जो वैकुंठ जाने का इच्छुक है, उसे परमेश्वर द्वारा ज्ञान प्रदान किया जाता है। एक वैदिक मंत्र है तं ह देवम आत्मबुद्धिप्रकाशं मुमुक्षुवै शरणामहं प्रपद्ये। अर्थात मुक्ति के इच्छुक मनुष्य को चाहिए कि वह भगवान की शरण में जाए। जहां तक चरम ज्ञान के लक्ष्य का सम्बन्ध है, वैदिक साहित्य से भी पुष्टि होती है-तमेव विदित्वाति मृत्युमेति यानी उन्हें जान लेने के बाद ही जन्म तथा मृत्यु की परिधि को लांघा जा सकता है।

वे प्रत्येक हृदय में परम नियन्ता के रूप में स्थित हैं। परमेश्वर के हाथ-पैर सर्वत्र फैले हैं लेकिन जीवात्मा के विषय में ऐसा नहीं कहा जा सकता। अतः मानना ही पड़ेगा कि कार्यक्षेत्र जानने वाले दो ज्ञाता हैं- एक जीवात्मा तथा दूसरा परमात्मा। पहले के हाथ-पैर किसी एक स्थान तक सीमित हैं जबकि कृष्ण के हाथ-पैर सर्वत्र फैले हैं। इसकी पुष्टि श्वेतातर उपनिषद में इस प्रकार हुई है। सर्वस्थ प्रभुमीशानं सर्वस्य शरणं बृहत यानी वह परमेश्वर या परमात्मा समस्त जीवों का स्वामी या प्रभु है। वह उन सबका चरम आश्रय है। अतः इस बात से मना नहीं किया जा सकता कि परमात्मा तथा जीवात्मा भिन्न हैं।

आवश्यकता है

आवश्यकता है दैनिक सब का सपना समाचार पत्र को उत्तर प्रदेश के समस्त जिलों में ब्लॉक स्तर, तहसील स्तर व जिला स्तर पर संवाददाताओं की इच्छुक अभ्यर्थी संपर्क करें या व्हाट्सएप करें।

9456884327/8218179552

# अमेरिका के युद्ध विराम घोषणा से निकली शांति की किरण

मनोज कुमार अग्रवाल

अमेरिका का पांच दिन के लिए एक तरफा युद्ध विराम का एलान बेहद खराब दौर में पहुंच चुके हालात में शांति का संदेश वाहक बन रहा है। मध्य पूर्व में तनाव के बीच ताजा घटनाक्रम इस ओर इशारा कर कर रहे हैं कि अब मिसाइल अटैक थमने को तैयार हैं। अमेरिका, इजराइल और ईरान के बीच हालिया तनाव में आया यह अल्पविराम महज एक रणनीतिक ठहराव नहीं, बल्कि वैश्विक संतुलन के लिए एक निर्णायक अवसर है। पिछले 24 दिनों से इजरायल अमेरिका और ईरान के बीच जारी भयंकर युद्ध के बीच अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के द्वारा पांच दिन के लिए युद्ध विराम की घोषणा करना निःसंदेह वैश्विक स्तर पर एक राहत देने वाली खबर हैं। युद्ध जैसे विनाशकारी परिदृश्य में जब भी संवाद और विराम की संभावना बनती है, वह केवल संबंधित देशों के लिए ही नहीं बल्कि पूरी मानवता के लिए आशा की किरण लेकर आती है। ऐसे समय में जब हर दिन नई तबाही और अनिश्चितता का संदेश ला रहा था, अमेरिका की ओर से सैन्य कार्रवाई को अस्थायी रूप से रोकने का निर्णय एक महत्वपूर्ण मोड़ के रूप में देखा जा सकता है। इसमें कोई दोमत नहीं है कि अमेरिका और ईरान के बीच संभावित बातचीत और सीमित समय के। के लिए सैन्य सैन्य कार्रवाई रोकने के संकेत ने वैश्विक स्तर पर उम्मीद की एक नई किरण जगाई है। इसका कारण है कि यह केवल दो देशों के बीच टकराव का मुद्दा नहीं है, बल्कि इसका प्रभाव पूरी दुनिया अर्थव्यवस्था, राजनीति और मानवता पर पड़ रहा है।

आजकल युद्ध अब केवल सीमाओं तक सीमित नहीं रहते, बल्कि उनके दुष्प्रभाव पूरी दुनिया को हिला देते हैं। तेल और गैस की कीमतों में उछाल ने वैश्विक अर्थव्यवस्था की नब्ज पर सीधा प्रहार किया है। विकासशील देशों के लिए यह संकट और गहरा है, जहां महंगाई पहले ही आम आदमी की कमर तोड़ रही है। ऐसे में यह युद्ध केवल तीन देशों का मसला नहीं, बल्कि पूरी मानवता के आर्थिक और सामाजिक संतुलन का प्रश्न बन चुका है। सामरिक दृष्टि से देखा जाए तो अमेरिका और इजराइल ने ईरान की सैन्य क्षमताओं को गहरी चोट पहुंचाई है। उसके पूरे नेतृत्व को खत्म कर दिया।

आपको पता रहे कि ईरान के कई रणनीतिक ठिकानों और आधारभूत ढांचे को ध्वस्त कर ईरान को करीब 20 से 25 साल पीछे धकेल दिया है।अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा ईरान के ऊर्जा ठिकानों पर हमले को अस्थायी रूप से टालने का निर्णय, भले ही पांच दिनों के लिए हो, एक महत्वपूर्ण कूटनीतिक संकेत है। यह दिखाता है कि युद्ध के बीच भी बातचीत की संभावना सरावना पूरी तरह खत्म नहीं हुई है। हालांकि, इस निर्णय को लेकर कई सवाल भी उठते हैं, खासकर तब जब ईरान ने किसी भी प्रकार की प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष बातचीत से इनकार किया है। ऐसे में यह स्पष्ट है कि स्थिति अभी भी अनिश्चितताओं से भिरी हुई है। इस संघर्ष की पृष्ठभूमि को समझना आवश्यक है। माना जा रहा है कि अमेरिका ने काफी मजबूरी में युद्ध विराम का फैसला लिया है। अमेरिका शुरूआती रणनीति में यह मानकर चला था कि सीमित सैन्य कार्रवाई के बाद ईरान के भीतर बाद ईरान के भीतर जन असंतोष उभरेगा और सत्ता परिवर्तन का मार्ग प्रशस्त होगा। लेकिन यह आकलन गलत साबित हुआ। न तो जनता सड़कों पर उतरी और न ही सत्ता संरचना में कोई तत्काल बदलाव आया। इससे यह स्पष्ट हो गया कि बाहरी हस्तक्षेप के आधार पर किसी देश की आंतरिक राजनीति को बदलना इतना आसान नहीं है। युद्ध को आगे बढ़ाने का विकल्प अमेरिका के सामने था, लेकिन इसके साथ कई गंभीर जोखिम जुड़े थे। अफगानिस्तान और इराक के अनुभव पहले से ही अमेरिका के सामने हैं, जहां लंबे सैन्य अभियानों ने न केवल आर्थिक बल्कि राजनीतिक रूप से भी भारी कीमत वसूल की। इस पूरे घटनाक्रम में खाड़ी देशों की भूमिका भी अहम रही है। ओमान, कतर और सऊदी अरब जैसे देशों ने स्पष्ट संकेत दिए कि वे इस संघर्ष के विस्तार के पक्ष में नहीं हैं। उनके लिए यह युद्ध आर्थिक और सामरिक रूप से नुकसानदेह साबित हो सकता है। यदि ईरान के ऊर्जा ठिकानों पर हमला होता, तो जवाबी कार्रवाई में खाड़ी क्षेत्र के तेल और गैस संसाधन भी निशाने पर आ सकते थे। इससे वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति पर गंभीर असर पड़ता। होर्मुज जलडमरूमध्य का मुद्दा भी इस संघर्ष के केंद्र में है। यह दुनिया के सबसे महत्वपूर्ण समुद्री व्यापार मार्गों में से एक है, जहां से वैश्विक तेल आपूर्ति का बड़ा हिस्सा गुजरता है। यदि यहां तनाव बढ़ता है या मार्ग पूरी तरह से अवरुद्ध होता है, तो इसका असर पूरी दुनिया की अर्थव्यवस्था पर पड़ना तय है। यही कारण है कि सैन्य विशेषज्ञों ने भी इस क्षेत्र में युद्धपोत भेजने के जोखिमों को लेकर चेतावनी दी है। आर्थिक दृष्टिकोण से देखें तो इस संघर्ष ने पहले ही वैश्विक बाजारों को झकझोर दिया है। तेल की कीमतों में तेजी, गैस की कीमतों में उछाल और शेयर बाजारों में अस्थिरता ने यह स्पष्ट कर दिया है कि बुद्ध केवल सीमाओं तक सीमित नहीं रहता। भारत जैसे देशों के लिए, जो ऊर्जा आयात पर निर्भर हैं, इसका सीधा असर महंगाई और आर्थिक विकास पर पड़ता है। हालांकि, जैसे ही युद्धविराम की संभावना सामने आई, बाजारों ने सकारात्मक प्रतिक्रिया दी। तेल की कीमतों में गिरावट और शेयर बाजारों में तेजी यह दशार्ती है कि निवेशक और वैश्विक अर्थव्यवस्था स्थिरता की उम्मीद कर रहे हैं। यह एक संकेत है कि शांति केवल मानवीय दृष्टिकोण से ही नहीं, बल्कि आर्थिक दृष्टि से भी अनिवार्य है। फिर भी, यह समझना जरूरी है कि यह पांच दिनों का युद्धविराम एक स्थायी समाधान नहीं है। ट्रंप द्वारा ईरान के ऊर्जा ढांचे पर हमले टालने का निर्णय इसी दिशा में एक महत्वपूर्ण संकेत है। यह फैसला दशार्ता है कि कूटनीति की खिड़की अभी बंद नहीं हुई है। पांच दिनों का यह ठहराव केवल सैन्य रणनीति नहीं, बल्कि संवाद के लिए एक संभावित दरवाजा है। यहां बता दे कि ईरान द्वारा किसी भी बातचीत से इनकार और अपनी शर्तों पर अड़े रहना यह बताता है कि रास्ता अभी आसान नहीं है। ईरान की ओर से रखी गई शर्तें,अमेरिकी सैन्य ठिकानों का बंद होना, होर्मुज जलडमरूमध्य के लिए नए नियम और मीडिया से जुड़े व्यक्तियों पर कार्रवाई स्पष्ट रूप से उसकी रणनीतिक सोच को दशार्ती हैं। यह केवल युद्धविराम नहीं, बल्कि क्षेत्रीय शक्ति संतुलन को अपने पक्ष में मोड़ने की कोशिश है। दूसरी ओर, अमेरिका और उसके सहयोगी इन शर्तों को स्वीकार करने की स्थिति में शायद ही हों। ऐसे में गतिरोध की स्थिति बनना स्वाभाविक है। फिर भी, इस पूरे घटनाक्रम का सबसे सकारात्मक पहलू यह है कि तनाव कम होते ही तेल की कीमतों में गिरावट आई है। अब समय आ गया है कि युद्ध की भाषा को छोड़कर बातचीत की भाषा अपनाई जाए। युद्ध विराम इतिहास के पन्नों में एक निर्णायक मोड़ बन सकता है, बशर्ते इसे समझदारी और दूरदृष्टि के साथ पूर्ण विराम में बदला जाए।हालांकि हो सकता है कि दोनों पक्ष एक-दूसरे के इरादों को परख रहे हैं। यदि बातचीत आगे बढ़ती है, तो यह एक बड़े समझौते का रास्ता खोल सकती है। लेकिन यदि यह प्रयास विफल होता है, तो संघर्ष और भी तीव्र रूप ले सकता है। इस पूरे घटनाक्रम में सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि युद्ध का कोई स्थायी समाधान नहीं होता। इतिहास गवाह है कि सैन्य संघर्ष अंततः बातचीत की मेज पर ही समाप्त होते हैं। ऐसे में यह जरूरी है कि दोनों पक्ष संयम बरतें और कूटनीतिक रास्ते को प्राथमिकता दें। मानवता के दृष्टिकोण से देखें तो युद्ध का सबसे बड़ा नुकसान आम लोगों को होता है। चाहे वह ईरान हो, इजरायल हो या कोई अन्य देश युद्ध की कीमत हमेशा निर्दोष नागरिकों को चुकानी पड़ती है। ऐसे में हर वह कदम, जो बुद्ध को रोकने की दिशा में उठाया जाता है, स्वागत योग्य है। आज जब दुनिया पहले ही कई संकटों, आर्थिक अस्थिरता, जलवायु परिवर्तन और सामाजिक तनाव से जूझ रही है, तब एक और बड़े बुद्ध की संभावना चिंता का विषय है। ऐसे समय में वैश्विक नेतृत्व की जिम्मेदारी और भी बढ़ जाती है कि वे शांति और स्थिरता को प्राथमिकता दें। अंततः यह पांच दिनों का विराम केवल एक अवसर है एक मौका, जिसे यदि सही दिशा में उपयोग किया जाए, तो यह स्थायी शांति की ओर पहला कदम बन सकता है। लेकिन यदि इसे खो दिया गया, तो इसके परिणाम केवल क्षेत्रीय नहीं, बल्कि वैश्विक स्तर पर गंभीर होंगे। दुनिया आज एक ऐसे मोड़ पर खड़ी है, जहां उसे यह तय करना है कि वह टकराव का रास्ता चुनेगी या संवाद का। हकीकत यह है कि युद्ध के आंकड़ों और रणनीतियों के बीच अक्सर मानवीय पहलू दव जाता है। लेकिन वास्तविकता यह है कि हर संघर्ष के पीछे लाखों लोगों का जीवन प्रभावित होता है। विस्थापन, आर्थिक संकट, मानसिक तनाव ये सभी युद्ध के अदृश्य लेकिन गहरे प्रभाव हैं। इसलिए किसी भी निर्णय में मानवीय दृष्टिकोण को प्राथमिकता देना आवश्यक है।

# बढ़ती गर्मी और जलवायु संकट का वर्तमान पर असर

कांतिलाल मांडोत

मार्च के महीने में ही जिस तरह से देश के बड़े हिस्से में भीषण गर्मी ने दस्तक दी है वह सामान्य मौसमी बदलाव नहीं बल्कि एक गंभीर चेतावनी है। उत्तर मध्य और पश्चिमी भारत के राज्यों में तापमान का तेजी से बढ़ना और लू जैसी परिस्थितियों का समय से पहले बनना यह संकेत देता है कि जलवायु परिवर्तन अब भविष्य का खतरा नहीं बल्कि वर्तमान की सच्चाई बन चुका है। जहां पहले मई और जून में हीट स्ट्रोक और लू से मौतों की खबरें आती थीं वहीं अब मार्च में ही ऐसे समाचार सामने आने लगे हैं। इससे स्पष्ट है कि मौसम का पारंपरिक चक्र असंतुलित हो चुका है और इसका सीधा असर आम आदमी के जीवन पर पड़ रहा है।

जलवायु परिवर्तन और ग्लोबल वार्मिंग के कारण वातावरण में कार्बन उत्सर्जन बढ़ा है जिससे तापमान लगातार ऊपर जा रहा है। इस बढ़ते तापमान का प्रभाव केवल गर्मी तक सीमित नहीं है बल्कि यह जीवन के हर क्षेत्र को प्रभावित कर रहा है। दिन और रात के तापमान के बीच का अंतर कम हो रहा है और रात का तापमान अपेक्षाकृत तेजी से बढ़ रहा है जिससे शरीर को राहत नहीं मिल पाती। यह स्थिति स्वास्थ्य के लिए भी गंभीर खतरा बनती जा रही है क्योंकि लगातार गर्मी में रहने से शरीर की सहनशक्ति कम होती है और हीट स्ट्रोक जैसी समस्याएं बढ़ती हैं।

देश के पहाड़ी क्षेत्रों में भी तापमान का बढ़ना एक चिंताजनक संकेत है। हिमालय की चोटियों पर बर्फ का तेजी से पिघलना आने वाले समय में जल संकट का कारण बन सकता है। शुरूआती समय में नदियों में पानी का बहाव बढ़ता है लेकिन धीरे धीरे यह स्रोत कमजोर पड़ने लगते हैं जिससे भविष्य में पानी की कमी की समस्या गहराती है। उपग्रह आंकड़ों और वैज्ञानिक अध्ययनों से यह स्पष्ट हो चुका है कि ग्लेशियर सिकुड़ रहे हैं और यदि यही स्थिति बनी रही तो आने वाले वर्षों में कई नदियों का जलस्तर प्रभावित होगा। इससे न केवल पेयजल संकट बढ़ेगा बल्कि राज्यों के बीच जल विवाद भी तेज हो सकते हैं।

स्थानीय स्तर पर भी तापमान में अचानक बढ़ोतरी के कई कारण हैं। तेजी से हो रहा शहरीकरण हरियाली की कमी और कंक्रीट के बढ़ते जंगल शहरों को गर्म द्वीप में बदल रहे हैं। पेड़ों की कटाई और जल स्रोतों के खत्म होने से प्राकृतिक संतुलन बिगड़ रहा है। इसके साथ ही मरुस्थलीय क्षेत्रों से आने वाली गर्म हवाएं उत्तर भारत के बड़े हिस्से को प्रभावित करती हैं जिससे लू का असर और तेज हो जाता है। इस बार इन हवाओं का प्रभाव जल्दी देखने को मिला है जिससे गर्मी का प्रकोप बढ़ गया है।

कृषि क्षेत्र इस बदलाव से सबसे अधिक प्रभावित हो रहा है। तापमान बढ़ने से फसलें समय से पहले पक रही हैं जिससे उत्पादन की गुणवत्ता और मात्रा दोनों प्रभावित हो रही हैं। सरसों जैसी फसलें जल्दी तैयार हो गई हैं और गेहूं पर भी इसका असर साफ दिखाई दे रहा है। विशेषकर देर से बोई गई फसलें अधिक प्रभावित हो रही हैं क्योंकि उन्हें पकने के समय ज्यादा गर्मी का सामना करना पड़ रहा है। इसके कारण उत्पादन में कमी आने की आशंका है और इसका सीधा असर किसानों की आय पर पड़ता है। बाजार में समर्थन मूल्य पर खरीद की व्यवस्था भी कई बार पर्याप्त नहीं होती जिससे किसानों को कम कीमत पर अपनी उपज बेचने के लिए मजबूर होना पड़ता है।

पानी का संकट इस पूरी स्थिति को और गंभीर बना रहा है। बढ़ती गर्मी के कारण जहां एक ओर पानी की मांग बढ़ रही है वहीं दूसरी ओर जल स्रोत तेजी से घट रहे हैं। कई राज्यों में भूजल का अत्यधिक दोहन हो रहा है जिससे जल स्तर लगातार नीचे जा रहा है। शहरों में पानी के उपयोग पर प्रतिबंध और जुमार्ने जैसे कदम उठाए जा रहे हैं लेकिन यह केवल अस्थायी समाधान हैं। यदि जल संरक्षण के स्थायी उपाय नहीं किए गए तो आने वाले समय में स्थिति और विकट हो सकती है।

पर्यावरणीय बदलाव का असर केवल इंसानों तक सीमित नहीं है बल्कि वनस्पतियों और जीव जंतुओं पर भी पड़ रहा है। बढ़ती गर्मी से पेड़ों की नई कोपलें प्रभावित होती हैं और कई पौधों की वृद्धि रुक जाती है। जंगलों में आग लगने की घटनाएं बढ़ रही हैं जिससे वन्य जीवों का आवास नष्ट हो रहा है। पानी के स्रोत सूखने से जानवरों के सामने भी जीवित रहने का संकट खड़ा हो रहा है। यह पूरा पारिस्थितिकी तंत्र के लिए एक गंभीर खतरा है।

इस स्थिति से निपटने के लिए अब केवल चर्चा या चेतावनी पर्याप्त नहीं है बल्कि ठोस कदम उठाने की जरूरत है। जल संरक्षण को प्राथमिकता देनी होगी और वर्षा जल संचयन को बड़े स्तर पर लागू करना होगा। खेतों में पानी के बेहतर उपयोग के लिए आधुनिक तकनीकों को अपनाना जरूरी है। किसानों को ऐसी फसलों की ओर प्रोत्साहित करना होगा जो कम पानी में भी अच्छी पैदावार दे सकें। इसके साथ ही ऊर्जा के क्षेत्र में भी बदलाव जरूरी है। पवन और सौर ऊर्जा जैसे स्वच्छ स्रोतों को बढ़ावा देना होगा ताकि प्रदूषण कम हो और तापमान वृद्धि पर नियंत्रण पाया जा सके।

सामाजिक स्तर पर भी जागरूकता बढ़ाने की आवश्यकता है। लोगों को पानी के सही उपयोग और पर्यावरण संरक्षण के प्रति जिम्मेदार बनाना होगा। शहरों में हरियाली बढ़ाने और पेड़ लगाने के प्रयासों को तेज करना होगा ताकि तापमान को नियंत्रित किया जा सके। इसके साथ ही सरकार और समाज दोनों को मिलकर एक दीर्घकालिक रणनीति बनानी होगी जिससे इस बढ़ते संकट का प्रभाव कम किया जा सके।

अंततः यह स्पष्ट है कि बढ़ती गर्मी और जलवायु परिवर्तन का संकट अब हमारे सामने खड़ा है और इसका प्रभाव हर क्षेत्र में दिखाई दे रहा है। यदि समय रहते सही कदम नहीं उठाए गए तो आने वाले वर्षों में यह समस्या और भी गंभीर रूप ले सकती है। इसलिए जरूरी है कि हम सभी मिलकर इस चुनौती का सामना करें और अपने पर्यावरण को सुरक्षित रखने के लिए जिम्मेदारी से कार्य करें।

(वरिष्ठ पत्रकार साहित्यकार स्तम्भकार)

# उद्दिमयो की समस्याओं का हो प्राथमिकता से निस्तारण- जिलाधिकारी

अमरोहा (सब का सपना):- निधि गुप्ता वत्स की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में जिला स्तरीय मासिक उद्योग बन्धु समिति की बैठक का आयोजन किया गया। जिलाधिकारी ने उद्योग बंधुओं की समस्याओं को गंभीरता पूर्वक सुना और संबंधित अधिकारी को आवश्यक दिशा निर्देश देते हुए कहा कि उद्योग बंधुओं की किसी भी समस्या में लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी प्राथमिकता के साथ उनकी समस्याओं का निस्तारण हो।

जिलाधिकारी ने कहा कि सभी बिंदुओं को प्राथमिकता के साथ निस्तारण कराया जाए आज जो बिंदु उठाए गए हैं उनका निस्तारण हर हाल में अगली बैठक तक अवश्य हो जाए। उद्योग कर्मियों की समस्याओं के निस्तारण को प्राथमिकता से लिया जाए। जिलाधिकारी ने लंबित निवेश मित्र के प्रकरणों को संबंध विभाग जल्द से जल्द निस्तारण के निर्देश संबंधित को दिए इसी के साथ जिलाधिकारी ने ग्राउण्ड ब्रेकिंग सेरेमनी 5.0 के लक्ष्य के सम्बन्ध में और एम0ओ0यू0 की समीक्षा कर आवश्यक जानकारी प्राप्त कर आवश्यक निर्देश दिये।

मैसर्स जी०आर० सॉलवेन्ट एण्ड अलाइड इण्डस्ट्रिज ली०, को नियमित विद्युत सप्लाई से सम्बन्धित प्रकरण का निस्तारण करने हेतु जिलाधिकारी ने अधिशासी अभियन्ता विद्युत को आवश्यक निर्देश दिये। ढोलक हस्तकलां एसोसिएशन, जय ओम नगर अमरोहा एवं जैकिट छोलक मर्चेन्ट द्वारा सड़क बनावाये जाने सम्बन्धित प्रकरण के निस्तारण हेतु अधिशासी अधिकारी न0पा0प0 अमरोहा को निर्देशित किया गया। मैसर्स संगम मेडिसर्व प्रा0लि0, औद्योगिक विद्युत कनेक्शन की समस्या, मैसर्स सत्यम एग्रीकल्चर इण्डस्ट्री की जल भराव की समस्याओ से अवगत कराया।

मैसर्स सी0एस0 गुप्ता एक्सपोर्ट लि0 के निर्यात उन्मुख्य काष्ठ संस्करण ईकाई को का नीतिगत राहत एवं सुधार सम्बन्धित प्रकरण को निस्तारण करने के लिये सम्बन्धित को आदेशित किया। औद्योगिक भूखण्ड संख्या एफ-24 के उपयोग में आ रही बाधा के निराकरण तथा निर्माण/उत्पादन की समयावधि में विस्तार प्रदान किये जाने सम्बन्धी प्रकरण का निस्तारण ने करने पर जिलाधिकारी ने क्षेत्रीय प्रबन्धक, यूपीसीडा के स्पष्टीकरण के निर्देश दिये। इसी प्रकार मैसर्स एम0जी0ए0 डिजाईन, खसरा नं0-51 मेन्गो ड्राईवलेन ग्राम हटाऊवा दिल्ली रोड जोया, जनपद अमरोहा के स्ट्रीटलाईट की समस्या का निराकरण न करने पर जिला पंचायज राज अधिकारी के स्पष्टीकरण के आदेश दिये।

मैसर्स सुप्रीम पैकेजिंग इण्डस्ट्रीज, खसरा नं0 55, सादुल्लापुर, गजरौला, अमरोहा के इलैक्ट्रिसिटी ड्यूटी में वांछित छूट दिये जाने के सम्बन्धित प्रकरण हेतु अधिशासी अभियन्ता विद्युत को निर्देश दिये। चौधरी करतार सिंह आई हॉस्पिटल, आजाद नगर, नियर रामाबाई डिग्री कॉलेज, गजरौला, जनपद अमरोहा को सी०एम०ओ० सर्टिफिकेट न दिये जाने के पर जिलाधिकारी ने मुख्य चिकित्साधिकारी को निर्देश दिये कि उक्त को अवश्य कर दिया जाये।

मैसर्स रियलटाईम वायोमेट्रिकस इण्डिया प्रा०लि०, प्लॉट संख्या आई-47 इण्डस्ट्रीयल एरिया गजरौला द्वितीय अमरोहा के ई-मेल दिनांक 11 मार्च द्वारा अपनी इकाई परिसर में जल भराव के सम्बन्धित प्रकरण, मैसर्स रियलटाईम वायोमेट्रिकस इण्डिया प्रा०लि० प्लॉट सख्या आई-47 इण्डस्ट्रीयल एरिया गजरौला द्वितीय अमरोहा के ई-मेल11 मार्च द्वारा अवगत कराया गया कि प्लाट स० आई-46 द्वारा गलत निर्माण कराये जाने तथा यूपीसीडा के सेट-बैक एव एफ०ए०आर० नियमों के उलघन के कारण प्लॉट सख्या आई-47 के परिसर एवं नीव में जल भराव हो जा रहा है, जिससे समस्या का सामना करना पड रहा है। मैसर्स माइक्रोमैटिक ग्राइंडिंग टेक्नोलॉजीज प्राइवेट लिमिटेड, प्लॉट संख्या मैसस ए-8 इण्डस्ट्रीयल एरिया गजरौला द्वितीय अमरोहा के प्रयुक्त बैंक गारण्टी अवमुक्त किये जाने के और मैसर्स बालाजी वैवरेज, प्लॉट संख्या आई-33 इण्डस्ट्रीयल एरिया गजरौला मैसर्स बालाजी वैवरेज, प्लॉट संख्या आई-33 इण्डस्ट्रीयल एरिया गजरौला के प्रकरण में उपायुक्त उद्योग ने जानकारी दी कि जांच करा ली गई है।

केन्द्र सरकार की महत्वाकांक्षी योजना पी0एम0 विश्वकर्मा योजना के अन्तर्गत उपायुक्त उद्योग ने जानकारी देते हुये कहा कि कुल 49862 आवेदन 18 टेज्डो में ऑनलाईन पोर्टल पर प्राप्त हुये है, जिसमें से ग्राम पंचायत एवं नगरीय निकाय के स्तर से प्रथम चरण में कुल 34807 आवेदनों की संस्तुति प्राप्त हुये है, जिसमें से ग्राम पंचायत के कुल 31683 आवेदन तथा नगरीय निकाय के कुल 3124 आवेदन पत्र संस्तुत किये गये है। जनपद स्तर से जिला क्रियान्वयन समिति द्वार प्रथम स्तर से सत्यापित आवेदनों को अग्रेत्तर कार्यवाही हेतु प्रेषित किया गया है। उपायुक्म उद्योग ने जिलाधिकारी को अवगत कराया कि एक जनपद एक सत्पाद योजना के अन्तर्गत वर्तमान में चयनित ढोलक एवं रेडीमेड गारमेन्टस है, जिसमें जनपद के वर्तमान ओ0डी0ओ0पी0 उत्पाद के साथ सम्मिलित किये जाने वाला उत्पाद मेटल एवं वुडन हैन्डीक्राफ्ट को जोड़ा जा चुका है।

बैठक में मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. योगेंन्द्र कुमार, उपायुक्त उद्योग सहित अन्य संबंधित औद्योगिक क्षेत्र के प्रतिनिधि बंधु उपस्थित रहे।

# गजरौला बस्ती के कम्पोजिट विद्यालय की लैब में प्रैक्टिकल के दौरान बच्चों ने किए विभिन्न प्रयोग

गजरौला/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के गजरौला नगर के मोहल्ला बस्ती स्थित कंपोजिट विद्यालय में स्थित प्रयोगशाला में विद्यालय के छात्र-छात्राओं ने विभिन्न प्रकार के प्रयोग कर रखे हैं, साथ ही उन्हें विद्यालय के अध्यापकों द्वारा प्रैक्टिकल के दौरान खाना बनाने, कृषि करने सहित विभिन्न प्रकार के प्रयोगों के बारे में जानकारी दी जाती है। बता दें कि बुधवार को इसके बारे में जानकारी देते हुए विद्यालय की प्रधानाध्यापिका रेखा रानी ने बताया कि पिछले वर्ष गजरौला ब्लॉक के केवल चार कंपोजिट विद्यालयों में लैब आई थीं। जिनमें एक हमारा विद्यालय भी शामिल है। विद्यालय के अध्यापकों द्वारा लैब में विद्यालय के छात्र-छात्राओं को विभिन्न प्रकार के प्रयोग के बारे में विस्तार से जानकारी दी जाती है और उन पर प्रयोग करने के लिए बताया जाता है। विद्यालय के बाद के दो कालांशों में छात्र-छात्राओं को हम 'लर्निंग बाई डूइंग' के तहत प्रेक्टिकल कराते हैं जिसमें विद्यालय के छात्र-छात्रा किताबों में लिखे प्रयोगों को पढ़कर उन पर प्रैक्टिकल करते हैं। जब से विद्यालय में लैब आई है तब से अब तक बच्चों ने लैब में कई नए प्रयोग किए हैं जिसमें उन्होंने ट्रैफिक लाइट सिगनल लाइट, सोलर कुकर, छोटे सोलर पैनल से चलने वाली गाड़ी, आदि बनाईं हैं। इसके अलावा उन्होंने बताया कि इस समय बच्चों के एग्जाम खत्म होने के बाद प्रैक्टिकल चल रहे हैं जिसमें बच्चे गृह शिल्प एवं कृषि विज्ञान के प्रैक्टिकल दे रहे हैं।

# जिलाधिकारी की अध्यक्षता में निपुण विद्यालय सम्मान समारोह को किया गया

अमरोहा (सब का सपना):- जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स जी की अध्यक्षता में कुन्दन मॉडल इं0कॉलेज, अमरोहा में निपुण विद्यालय सम्मान समारोह को आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारम्भ जिलाधिकारी ने मां सरस्वती की मूर्ति के समक्ष दीप प्रज्जवलित कर किया। पदोपरान्त प्राथमिक विद्यालयों की छात्राओं के द्वारा सरस्वती गीत एवं स्वागत गीत का प्रस्तुतिकरण किया। मुख्य बेसिक शिक्षा अधिकारी मोनिका द्वारा जिलाधिकारी को बुके देकर स्वागत किया। निपुण विद्यालय सर्वे के अन्तर्गत उत्तर प्रदेश के 111372 विद्यालयों में 27 जनवरी से 14 फरवरी तक डीएलएड के 15229 प्रशिक्षुओं द्वारा निपुण आकलन परीक्षा का आयोजन हुआ जिसमें कुल 32480 विद्यालय (29प्रतिशत) निपुण घोषित हुए। जनपद अमरोहा में यह आकलन कुल 1055 विद्यालयों में लगभग 70 प्रशिक्षुओं के द्वारा किया गया। कुल आकलित विद्यालयों में से अपर मुख्य सचिव बेसिक शिक्षा एवं माध्यमिक शिक्षा विभाग द्वारा घोषित परिणाम में जनपद अमरोहा से कुल 428 विद्यालय (40 प्रतिशत) निपुण घोषित हुए और जनपद अमरोहा का प्रदेश में 13वीं रैंक प्राप्त हुई। समारोह में निपुण घोषित सभी

विद्यालयों के प्रधानाध्यापकों और प्रभारी अध्यापकों को जिलाधिकारी तथा जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी द्वारा प्रमाण पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। इसके अतिरिक्त, ब्लॉक स्तर पर कार्यरत एआरपी (एकेडमिक रिसोर्स पर्सन) को भी विद्यालयों को निपुण बनाने में उनके उत्कृष्ट शैक्षिक सहयोग और मार्गदर्शन के लिए विशेष रूप से सम्मानित किया गया। अपने संबोधन में जिलाधिकारी ने शिक्षकों के समर्पण और परिश्रम की सराहना की। उन्होंने निपुण विद्यालय बनने पर सभी को हार्दिक बधाई देते हुए आगामी सत्र में इस संख्या को और अधिक बढ़ाने हेतु निरंतर प्रयासरत रहने का आह्वान किया। जिलाधिकारी ने शिक्षकों को शिक्षा की आधारशिला बताया और उनके कार्यों की सराहना की। उन्होंने नवीन शैक्षिक सत्र में विद्यालयों में नामांकन वृद्धि पर विशेष बल देने तथा शासन द्वारा संचालित समस्त योजनाओं का समयबद्ध एवं प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

निपुण विद्यालय सर्वे में जनपद अमरोहा में विकास खण्ड गजरौला 128 आकलित विद्यालय में 70 निपुण विद्यालय पाये गये जो 64 प्रतिशत के साथ प्रथम स्थान पर रहा। जिलाधिकारी ने ए0पी0ओ0 गजरौला नफीस अहमद, आदेश कुमार, दीपक तोमर, सुभाष चन्द्र एवं अरविन्द कुमार की इस कार्य की प्रशंसा की और खण्ड शिक्षा अधिकारी गजरौला की भी भूरि-भूरि प्रशंसा की। विकास क्षेत्र अमरोहा 186 आकलित विद्यालय में 70 निपुण विद्यालय पाये गये जो 37 प्रतिशत, विकास क्षेत्र जोया में 211 आकलित विद्यालय में 88 निपुण विद्यालय पाये गये जो 41 प्रतिशत, विकास क्षेत्र धनौरा में 160 आकलित विद्यालय में 49 निपुण विद्यालय पाये गये जो 30 प्रतिशत, विकास क्षेत्र हसनपुर में 163 आकलित विद्यालय में 81 निपुण विद्यालय पाये गये जो 49 प्रतिशत, विकास क्षेत्र गंगेश्वरी में 153 आकलित विद्यालय में 42 निपुण विद्यालय पाये गये जो 27 प्रतिशत, विकास क्षेत्र नगर अमरोहा में 40 आकलित विद्यालय में 8 निपुण विद्यालय पाये गये जो 20 प्रतिशत, विकास क्षेत्र नगर हसनपुर में 14 आकलित विद्यालय में 07 निपुण विद्यालय पाये गये जो 50 प्रतिशत रहा। जिलाधिकारी ने कहा कि आज जो निपुण विद्यालय के सर्वे का रिजल्ट आया है यह बच्चों के साथ की गई मेहनत का रिजल्ट है। उन्होंने कहा विगत वर्ष से इस बार रिजल्ट बहुत अच्छा आया है और आगे और मेहनत करके हम रिजल्ट को और बेहतर बना सकते हैं। उन्होंने कहा कि अध्यापक स्कूल की आत्मा होती है इसलिए बच्चों को सीखने पर जोर दिया जाए, बच्चों से संवाद करें अध्यापक का प्रथम दायित्व बच्चे और स्कूल की बेहतरीन के लिए होता है। उन्होनें कहा बच्चों को खेल की तरह पढ़ायें तब बच्चे रुचि लेकर पढ़ते हैं। बच्चों के निपुणता के प्रशंसा की, उन्होंने कहा कि बच्चों के अध्ययन में इतनी रुचि भर दे, जिससे बच्चों को घर से लाना न पड़े बल्कि वह स्वयं आपके साथ आए। बच्चों के हृदय में शिक्षा का बीज बोना है ताकि वह जनपद प्रदेश और देश का नाम रोशन कर सकें।

इस अवसर पर जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी, प्रधानाचार्य डी0आई0ई0टी, समस्त खण्ड शिक्षा अधिकारी एवं निपुण विद्यालयों के प्रधानाध्यापक, अध्यापक सहित सम्बन्धित अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

# अमरोहा ब्लॉक में क्षेत्र पंचायत की बैठक का किया गया आयोजन

अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के विकासखंड अमरोहा कार्यालय सभागार में क्षेत्र पंचायत की बैठक का आयोजन किया गया। इस अवसर पर क्षेत्र पंचायत की बैठक ब्लॉक प्रमुख गुरेंद्र सिंह ढिल्लों की अध्यक्षता में संपन्न हुई। इस दौरान बैठक का संचालन खंड विकास अधिकारी नीरज कुमार गर्ग ने किया। बैठक में गत बैठक की कार्यवाही को पढ़कर सुनाया गया। जिसकी सभी सदस्य द्वारा पुष्टि की गई। इसके पश्चात एजेंडा बिंदुओं के अनुसार मनरेगा, प्रधानमंत्री मुख्यमंत्री आवास योजना, राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन, मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना, पेंशन योजना, जल निगम एवं शिक्षा विभाग, वन विभाग के उपस्थित अधिकारियों प्रतिनिधियों द्वारा अपने-अपने विभाग की योजनाओं के विषय में विस्तार से जानकारी उपलब्ध कराई। इस दौरान भारी संख्या में क्षेत्र पंचायत सदस्य ग्राम प्रधान उपस्थित रहे। बैठक में उपस्थित क्षेत्र पंचायत सदस्य द्वारा पंचम राज्य वित्त/ 15 वित्त के अंतर्गत कराए जाने वाले कार्यों को करने के लिए प्रस्ताव प्रस्तुत किए। इस अवसर पर ब्लॉक प्रमुख गुरेंद्र सिंह ढिल्लों ने क्षेत्र पंचायत द्वारा बैठक में उपस्थित सदस्यों एवं अधिकारियों का आभार क्रिकेट करते हुए बैठक का समापन किया।

# शादी करने के लिए नहीं थे रुपए इसीलिए कर ली चोरी

## थाना सैदनंगली पुलिस ने शातिर चोर को गिरफ्तार कर किए 15 लाख के आभूषण बरामद

सैदनगली/अमरोहा(सब का सपना):- जनपद के थाना सैदनगली पुलिस ने एक शातिर चोर को गिरफ्तार किया है, जिसने एक घर से 15 लाख रुपये के सोने-चांदी के आभूषण चोरी किए थे। पुलिस ने अभियुक्त के कब्जे से चोरी हुए आभूषण और घटना में प्रयुक्त उपकरण बरामद किए हैं।

आपको बता दे कि 20 मार्च को वादिनी नन्ही किन्नर पुत्री दिलसुख किन्नर निवासी मोहल्ला जामा मस्जिद के पीछे, कस्बा व थाना सैदनगली, जनपद अमरोहा द्वारा थाना सैदनगली पर सूचना दी गई कि अज्ञात चोर द्वारा उनके घर में रखी अलमारी का लॉक तोड़कर सोने-

चांदी के आभूषण चोरी कर लिए गए हैं। इस संबंध में थाना सैदनगली पर मु0अ0सं0 78/2026 धारा 305 बीएनएस बनाम अज्ञात पंजीकृत किया गया।

जिसके बाद पुलिस अधीक्षक अमित कुमार आनन्द के निर्देश पर थाना सैदनगली पुलिस टीम द्वारा सीसीटीवी फुटेज व अन्य साक्ष्यों के आधार पर जांच करते हुए अभियुक्त उस्मान पुत्र लईक अहमद निवासी ठेर दरीबा, थाना नखासा, जनपद सम्भल को चिन्हित कर गिरफ्तार किया गया। पूछताछ में अभियुक्त ने बताया कि वह गुड़िया किन्नर के माध्यम से वादिनी के घर आता-जाता था उसकी शादी होने वाली है और खर्च के लिए पैसों की आवश्यकता थी, इसलिए उसने चोरी की घटना को अंजाम दिया।

पुलिस ने अभियुक्त के कब्जे से चोरी हुए लगभग 15 लाख रुपये मूल्य के सोने-चांदी के आभूषण और घटना में प्रयुक्त उपकरण बरामद किए हैं।

# यातायात पुलिस व नगर पंचायत कर्मियों के द्वारा कस्बा जोया में संयुक्त रूप से चलाया गया अतिक्रमण हटाओ अभियान

अमरोहा (सब का सपना):- जनपद में यातायात व्यवस्था को सुचारु एवं सुरक्षित बनाए रखने हेतु बुधवार को यातायात पुलिस अमरोहा एवं नगर पंचायत द्वारा कस्बा जोया में संयुक्त रूप से व्यापक अतिक्रमण हटाओ अभियान चलाया गया। इस अभियान में नगर पंचायत के अधिशासी अभियंता विपिन कुमार संगर, कार्यालय अधीक्षक विजय शंकर शर्मा, यातायात प्रभारी राजेंद्र सिंह (अमरोहा) एवं स्थानीय पुलिस बल द्वारा सक्रिय सहभागिता की गई।

अभियान के दौरान कस्बा जोया की मुख्य सड़कों एवं बाजार क्षेत्र में ठेला-पटरी व्यवसायियों द्वारा किए गए अतिक्रमण को हटवाया गया। साथ ही सड़क किनारे व्यवस्थित रूप से मार्किंग लाइन बनाई गई तथा सभी ठेला-पटरी संचालकों को निर्देशित किया गया कि वे निर्धारित सीमा (मार्किंग लाइन) के पीछे रहकर ही अपना व्यवसाय करें। इस कार्रवाई का मुख्य उद्देश्य पैदल यात्रियों एवं वाहन चालकों के लिए सुरक्षित, सुगम एवं बाधारहित मार्ग उपलब्ध कराना है, जिससे यातायात व्यवस्था को बेहतर एवं सुव्यवस्थित बनाया जा सके। नगर पंचायत द्वारा अभियान के दौरान अतिक्रमण करने वालों का सामान जब्त किया गया तथा उनके विरुद्ध नियमानुसार जुमार्ना लगाए जाने की कार्यवाही की जा रही है।

इसके अतिरिक्त ठेला-पटरी व्यवसायियों को भविष्य में अतिक्रमण न करने हेतु जागरूक भी किया गया। अभियान के दौरान पत्रकार बंधुओं, व्यापारी वर्ग एवं स्थानीय सम्मानित नागरिकों द्वारा पूर्ण सहयोग प्रदान किया गया, जिसके लिए प्रशासन द्वारा सभी का आभार व्यक्त किया गया। इसी क्रम में यातायात नियमों के उल्लंघन के विरुद्ध सख्त कार्रवाई करते हुए कुल 300 वाहनों के चालान किए गए, जिनमें 105 चालान ओवरस्पीड के पाए गए। साथ ही एक वाहन को सीज किया गया। यातायात पुलिस अमरोहा द्वारा सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम एवं आमजन की सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए निरंतर प्रभावी कार्यवाही की जा रही है। भविष्य में भी इस प्रकार के विशेष अभियान जारी रहेंगे।

# चाय की दुकान में सिलेंडर फटने से लगी आग, लाखों का नुकसान

गजरौला/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के गजरौला औद्योगिक नगरी के नेशनल हाईवे 9 पर स्थित एक चाय की दुकान में सिलेंडर फटने से भयंकर आग लग गई, जिससे आसपास के क्षेत्र में अफरा-तफरी मच गई। दुकान में आग लगने से दुकानदार का लाखों का सामान जलकर राख हो गया जिससे दुकानदार को भारी नुकसान हुआ है।आग लगने के दौरान उसने किसी तरह दुकान से बाहर निकाल कर अपनी जान बचाई। बताया जा रहा है कि सिलेंडर पर लगे रेगुलेटर में आग लगने के बाद गैस सिलेंडर

फट गया था।

बता दें कि गजरौला औद्योगिक नगरी में बुधवार को नेशनल हाईवे 9 किनारे स्थित एक चाय की दुकान में भीषण आग लग गई। बताया जा रहा है कि रेगुलेटर में आग लगने के बाद गैस सिलेंडर फट गया, जिससे इलाके में हड़कंप मच गया। घटना के दौरान दुकानदार ने किसी तरह बाहर निकलकर अपनी जान बचाई।आग की लपटें इतनी तेज थीं कि पास की एक अन्य दुकान भी इसकी चपेट में आ गई,

जिससे इलाके में अफरा-तफरी फैल गई। सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड की गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया।घटना के बाद पूरे इलाके में हड़कंप का माहौल रहा। गनीमत यह रही कि कोई भी व्यक्ति आग की चपेट में नहीं आया। हालांकि, चाय की दुकान में लाखों रुपये का नुकसान बताया जा रहा है।

# रजबपुर साइबर पुलिस टीम ने ठगे गए 20 हजार रुपए पीड़ित के खाते में कराये वापस

रजबपुर/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के रजबपुर थाना पुलिस ने साइबर ठगी का शिकार हुए एक व्यक्ति के 20 हजार रुपये वापस कराए हैं। यह कार्यवाही 25 मार्च को की गई। थाना प्रभारी कोमल तोमर के नेतृत्व में साइबर टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए यह राशि पीड़ित के खाते में लौटाई।

बता दें कि प्राप्त जानकारी के मुताबिक ग्राम अतरासी कला निवासी अरबाज पुत्र असलम के खाते से

अज्ञात कॉलर ने 20 हजार रुपये ट्रांसफर करा लिए थे। पीड़ित ने इस संबंध में 21 मार्च 2026 को साइबर पोर्टल पर शिकायत दर्ज कराई थी।मामले की गंभीरता को देखते हुए रजबपुर पुलिस ने तुरंत कार्रवाई शुरू की। थाना प्रभारी कोमल तोमर के निर्देशन में साइबर टीम ने तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर जांच की। टीम ने आरोपी कासिम पुत्र भूरा, निवासी अतरासी कला की पहचान की और प्रभावी कार्रवाई करते हुए पूरी धनराशि वापस कराई।रुपये वापस मिलने पर पीड़ित अरबाज ने खुशी जाहिर की। उन्होंने रजबपुर पुलिस और थाना प्रभारी कोमल तोमर का आभार व्यक्त किया। इस कार्रवाई से पुलिस की सक्रियता और आमजन के प्रति उसकी प्रतिबद्धता स्पष्ट हुई है।रजबपुर पुलिस ने आमजन से अपील की है कि वे ओटीपी (OTP), पासवर्ड जैसी गोपनीय जानकारी किसी से साझा न करें। साथ ही, किसी भी अनजान लिंक पर भुगतान करने से बचें ताकि वे साइबर ठगी का शिकार न हों।

# डॉ. शहजाद आलम को राष्ट्रीय रत्न सम्मान से किया गया सम्मानित

सम्भल(सब का सपना):- जनपद के प्रसिद्ध गैस्ट्रो लैप्रोस्कोपिक सर्जन डॉ. शहजाद आलम को चिकित्सा क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान के लिए राष्ट्रीय स्तर के प्रतिष्ठित रत्न सम्मान से नवाजा गया है। यह सम्मान सीडीएस फाउंडेशन के नेशनल डायरेक्टर चंद्रशेखर डी शेटये द्वारा प्रदान किया गया, जो उनके चिकित्सा सेवा और समाजसेवा में उल्लेखनीय योगदान को देखते हुए दिया गया।

यह सम्मान मुंबई में आयोजित एक भव्य समारोह में प्रदान किया जाना था, लेकिन चिकित्सकीय व्यस्तता के चलते डॉ. शहजाद आलम कार्यक्रम में शामिल नहीं हो सके। इसके बाद

सीडीएस फाउंडेशन के कार्यकारी निदेशक गौरीशंकर चौधरी एवं प्रमुख समाजसेवी हर्षित शर्मा स्वयं सम्भल स्थित उनके अस्पताल पहुंचे और उन्हें सम्मान प्रदान किया।

डॉ. शहजाद आलम अमेरिका से विशेष प्रशिक्षित कंसल्टेंट गैस्ट्रो लैप्रोस्कोपिक सर्जन एवं एंडोस्कोपिस्ट हैं। वे सम्भल में अपने डॉ. शहजाद सर्जिकल सेंटर एवं एंडोस्कोपी क्लिनिक के माध्यम से लंबे समय से मरीजों को उन्नत और आधुनिक चिकित्सा सेवाएं उपलब्ध करा रहे हैं। चिकित्सा सेवा के साथ-साथ डॉ. आलम बच्चों में आंशिक अंधता के खिलाफ भी निरंतर कार्य कर रहे हैं, जिससे बच्चों को इस समस्या से बचाया जा सके। उनके इस सामाजिक योगदान को भी सम्मान के चयन में विशेष रूप से सराहा गया।

सम्मान प्रदान करते हुए गौरीशंकर चौधरी ने कहा कि डॉ. शहजाद आलम ने न केवल चिकित्सा क्षेत्र में उच्च स्तर की विशेषज्ञता हासिल की है, बल्कि गरीब एवं जरूरतमंद लोगों की सेवा में भी हमेशा अग्रणी भूमिका निभाई है। उनकी यह उपलब्धि पूरे सम्भल जिले के लिए गर्व की बात है।

वहीं डॉ. शहजाद आलम ने इस सम्मान के लिए आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह उपलब्धि उनकी पूरी टीम और समाज के प्रति उनके समर्पण का परिणाम है। उन्होंने भविष्य में भी इसी तरह सेवा कार्य जारी रखने का संकल्प दोहराया।

# परिवार परामर्श केंद्र की बैठक संपन्न, पति-पत्नी विवादों के निस्तारण का प्रयास

चंदौसी/सम्भल(सब का सपना):- जनपद में पारिवारिक विवादों के समाधान हेतु चलाए जा रहे पुलिस परिवार परामर्श एवं सुलह समझौता केंद्र के अंतर्गत बुधवार को चंदौसी स्थित गौशाला रोड पिंक चौकी में बैठक आयोजित की गई। यह बैठक पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार बिश्नोई के निर्देशन में, अपर पुलिस अधीक्षक उत्तरी कुलदीप सिंह एवं क्षेत्राधिकारी डॉ. प्रदीप कुमार सिंह के निर्देशानुसार संपन्न हुई। परामर्श केंद्र प्रभारी डॉ. रुकम पाल सिंह की देखरेख में आयोजित इस बैठक में पति-पत्नी के बीच उत्पन्न विवादों को सुलझाने के लिए काउंसलरों की मदद से प्रयास किए गए। दोनों पक्षों को समझाकर आपसी सहमति से विवाद खत्म कराने की दिशा में पहल की गई।

बैठक के दौरान कुल 12 पत्रावलियों (मामलों) की सुनवाई की गई, जिनमें से 2 मामलों का निस्तारण सुलह-समझौते के आधार पर कर दिया गया। वहीं 2 पत्रावलियों को पक्षकारों द्वारा रुचि न लेने अथवा अन्य कारणों के चलते बंद कर दिया गया। शेष मामलों पर आगे की कार्रवाई हेतु अगली तिथि निर्धारित की गई।

इस अवसर पर काउंसलर श्वेता गुप्ता, उपनिरीक्षक महेश गंगवार, मनोहर सिंह, रुचि, मीनाक्षी, पीआरडी जवान जगतपाल सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

परामर्श केंद्र के माध्यम से पुलिस द्वारा पारिवारिक विवादों को आपसी सहमति से सुलझाने की यह पहल समाज में सकारात्मक संदेश देने के साथ-साथ परिवारों को टूटने से बचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है।

# आरसेटी द्वारा डीटीपी प्रशिक्षुओं का फील्ड विजिट, प्रशिक्षण को मिला व्यावहारिक आयाम

## स्वरोजगार के लिए किया प्रेरित, नए बैच की जानकारी देकर बढ़ाया उत्साह

बहजोई/सम्भल(सब का सपना):- जनपद के बहजोई स्थित केनरा बैंक आरसेटी द्वारा प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे युवाओं को व्यावहारिक अनुभव प्रदान करने के उद्देश्य से डेस्कटॉप पब्लिशिंग (DTP) बैच के प्रशिक्षुओं का फील्ड विजिट कराया गया। इस दौरान प्रशिक्षुओं को संबंधित कार्यों की जमीनी जानकारी दी गई, जिससे उनके कौशल में और अधिक निखार आ सके।

कार्यक्रम के दौरान ललित विजय राय, एलडीएम सम्भल एवं विशाल कंसल, डीडीएम सम्भल ने जूनियर ब्यूटी प्रैक्टिशनर बैच के प्रशिक्षुओं को संबोधित करते हुए स्वरोजगार के प्रति प्रेरित किया। उन्होंने युवाओं को आत्मनिर्भर बनने के लिए

प्रोत्साहित करते हुए कहा कि प्रशिक्षण के माध्यम से सीखी गई स्किल्स का उपयोग कर वे स्वयं का रोजगार स्थापित कर सकते हैं।

दोनों अधिकारियों ने प्रशिक्षुओं का मनोबल बढ़ाते हुए कहा कि आज के समय में कौशल आधारित रोजगार की अपार संभावनाएं हैं और सरकार भी विभिन्न योजनाओं के माध्यम से युवाओं को आगे बढ़ने का अवसर प्रदान कर रही है।

वहीं सीवीआरसेटी, बहजोई के निदेशक विनीत तिवारी द्वारा आगामी माह में शुरू होने वाले नए प्रशिक्षण बैच के संबंध में विस्तृत जानकारी दी गई। उन्होंने बताया कि संस्थान द्वारा विभिन्न ट्रेड्स में प्रशिक्षण देकर युवाओं को रोजगारपरक बनाया जा रहा है, जिससे वे आर्थिक रूप से सशक्त बन सकें। कार्यक्रम के अंत में प्रशिक्षुओं ने फील्ड विजिट से प्राप्त अनुभव को लाभदायक बताते हुए संस्थान का आभार व्यक्त किया।

# यातयात पुलिस का वाहन चेकिंग अभियान, एमवी एक्ट के तहत किए दर्जनों चालान

## हेलमेट-सीट बेल्ट को लेकर सख्ती, नियम तोड़ने वालों पर कार्रवाई, शराब पीकर ड्राइविंग और तीन सवारी पर सख्त चेतावनी

बहजोई/सम्भल(सब का सपना):- जनपद के बहजोई क्षेत्र में कानून व्यवस्था और सड़क सुरक्षा को मजबूत बनाने के उद्देश्य से बुधवार को बहजोई के इस्लामनगर मैन चौराहे पर वाहन चेकिंग अभियान चलाया गया। यह अभियान पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार बिश्नोई के निर्देशन एवं क्षेत्राधिकारी यातायात के नेतृत्व में यातायात उप निरीक्षक सुरेश कुमार द्वारा पुलिस टीम के साथ संचालित किया गया।

अभियान के दौरान दोपहिया और चारपहिया वाहनों की गहन जांच की गई। पुलिस टीम ने वाहन चालकों के दस्तावेजों—जैसे ड्राइविंग लाइसेंस, रजिस्ट्रेशन प्रमाण पत्र, बीमा और प्रदूषण प्रमाण पत्र—की बारीकी से जांच की। जिन वाहन चालकों के पास आवश्यक कागजात नहीं पाए गए या जिन्होंने यातायात नियमों का उल्लंघन किया, उनके खिलाफ मोटर व्हीकल एक्ट के तहत चालान की कार्रवाई की गई। विशेष रूप से दोपहिया वाहन चालकों को बिना हेलमेट वाहन न चलाने की सख्त हिदायत दी गई। वहीं चारपहिया वाहन चालकों को सीट बेल्ट अनिवार्य रूप से लगाने के निर्देश दिए गए। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि हेलमेट और सीट बेल्ट का उपयोग दुर्घटना के समय जान बचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है, इसलिए इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

चेकिंग के दौरान पुलिस ने शराब पीकर वाहन चलाने वालों के खिलाफ भी सख्त रुख अपनाया। संदिग्ध चालकों की जांच की गई और उन्हें चेतावनी दी गई कि नशे की हालत में वाहन चलाना न केवल कानूनन अपराध है बल्कि यह स्वयं और दूसरों के जीवन के लिए भी गंभीर खतरा है।

इसके अलावा दोपहिया वाहनों पर तीन सवारी बैठाने वालों को भी रोककर समझाइश दी गई और भविष्य में ऐसा न करने की चेतावनी दी गई। पुलिस टीम ने कहा कि यातायात नियमों का पालन करना प्रत्येक नागरिक की जिम्मेदारी है और इससे सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाई जा सकती है।

इस दौरान आम लोगों को जागरूक करते हुए पुलिस ने अपील की कि वे सभी यातायात नियमों का पालन करें, सुरक्षित ड्राइविंग अपनाएं और अपने तथा दूसरों के जीवन की सुरक्षा सुनिश्चित करें। पुलिस विभाग द्वारा यह भी स्पष्ट किया गया कि आगे भी इसी प्रकार के चेकिंग अभियान लगातार चलाए जाते रहेंगे और नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

# पुलिस ने दो नाबालिग बालिकाओं को सकुशल बरामद कर परिजनों को सौंपा

गुन्नौर/सम्भल(सब का सपना):- जनपद में मिशन शक्ति अभियान के तहत पुलिस द्वारा एक सराहनीय कार्य करते हुए थाना जुनावई क्षेत्र से लापता हुई दो नाबालिग बालिकाओं को सकुशल बरामद कर उनके परिजनों के सुपुर्द कर दिया गया। यह कार्रवाई पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार के कुशल निर्देशन, अपर पुलिस अधीक्षक (उत्तरी) सम्भल के मार्गदर्शन एवं क्षेत्राधिकारी गुन्नौर के नेतृत्व में की गई।

प्राप्त जानकारी के अनुसार मंगलवार को पीड़ित सुरेश चंद्र पुत्र महेंद्र सिंह निवासी क्षेत्र जुनावई द्वारा थाना जुनावई पर सूचना दी गई कि उसकी 13 वर्षीय पुत्री निधि तथा 11 वर्षीय भतीजी साधना परीक्षा देने के लिए घर से निकली थीं, लेकिन विद्यालय

नहीं पहुंचीं। सूचना मिलते ही पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए मामला दर्ज कर बालिकाओं की तलाश के लिए टीमों का गठन किया।

बुधवार को बालिकाओं द्वारा अपने परिजनों को फोन कर जानकारी दी गई, जिसके आधार पर पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए दोनों को चंदौसी क्षेत्र से सकुशल बरामद कर लिया। पूछताछ में बालिकाओं ने बताया कि वे परीक्षा के डर से घर से निकल गई थीं और रास्ता भटककर चंदौसी पहुंच गईं।

पुलिस द्वारा की गई जांच में दोनों बालिकाओं के साथ किसी भी प्रकार की अनहोनी की पुष्टि नहीं हुई। इसके बाद आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी करते हुए दोनों को उनके परिजनों के सुपुर्द कर दिया गया।

पुलिस की इस त्वरित कार्रवाई से परिजनों ने राहत की सांस ली और पुलिस टीम का आभार व्यक्त किया।

वहीं पुलिस विभाग ने अभिभावकों से अपील की है कि वे बच्चों के मानसिक दबाव को समझें और उन्हें सहयोगात्मक वातावरण प्रदान करें, ताकि इस प्रकार की घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो।

# धनौरा में सघन वाहन चैकिंग के दौरान वसूला 82,500 का जुमार्ना

## हूटर व काली फिल्म पर कड़ी कार्यवाही, 12 वाहनों से हूटर व काली फिल्म हटाई।

धनौरा/अमरोहा (सब का सपना):- बुधवार को यातायात पुलिस ने जनपद के थाना मंडी धनौरा में सघन वाहन चेकिंग अभियान चलाया। यह अभियान शहर की यातायात व्यवस्था को सुधारने और नियमों का उल्लंघन करने वालों पर कार्रवाई करने के उद्देश्य से चलाया गया। इस दौरान विशेष रूप से वाहनों पर अवैध रूप से लगे हूटर और काली फिल्मों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की गई।

बता दें कि यातायात उपनिरीक्षक (TSI) नवल किशोर मथुरिया के नेतृत्व में हुई इस कार्रवाई में पुलिस ने उन वाहनों को निशाना बनाया जिन पर अवैध रूप से हूटर लगे थे। पुलिसकर्मियों ने मौके पर ही वाहनों से हूटर उतरवाए। इसके अतिरिक्त, कई कारों के शीशों पर लगी प्रतिबंधित काली फिल्मों को भी हटवाया गया।

वहीं सीट बेल्ट नहीं लगाने पर भी जुमार्ना आरोपित किया।अभियान के दौरान, पुलिस ने यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले 12 वाहनों का चालान किया। इन चालानों से कुल 82,500 रुपये का जुमार्ना वसूला गया। पुलिस की इस कार्रवाई से बचने के लिए कई वाहन चालक शेरपुर चुंगी के आसपास से अपने वाहन मोड़कर दूसरे रास्तों से निकलते दिखे।इस चेकिंग अभियान में टीएसआई नवल किशोर मथुरिया के साथ कांस्टेबल नवल, होमगार्ड धनश्याम सिंह और गजराज सिंह शामिल थे। टीएसआई मथुरिया ने बताया कि यातायात नियमों का उल्लंघन बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और यह अभियान आगे भी जारी रहेगा।

# नवनिर्माण के 09 वर्ष के अवसर पर धनौरा में आयोजित हुआ भव्य कार्यक्रम

अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के विकास खण्ड धनौरा के शहीद भगत सिंह सभागार में उ०प्र० सरकार के 09 वर्ष पूरे होने के शुभ अवसर पर 'नवनिर्माण के 09 वर्ष भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का आयोजन मुख्य अतिथि राजीव तरारा विधायक धनौरा तथा अश्वनी कुमार मिश्र मुख्य विकास अधिकारी उपस्थित रहे कार्यक्रम के नोडल अधिकारी रामप्रवेश उपनिदेशक कृषि उपस्थिति मे भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें स्वास्थ्य विभाग पशुपालन विभाग, कृषि विभाग, महिला एवं बाल विकास विभाग, पंचायती राज, सूचना विभाग, ग्राम्य विकास विभाग की प्रदशनी लगायी गई कार्यक्रम का शुभ आरम्भज्ञानदायी माँ सरस्वती के चित्र का अनावरण के पश्चात दीप प्रज्जवलित कर किया गया इसके पश्चात समुह की महिलाओं ने सरस्वती वन्दना एवं मुख्य अतिथि के स्वागत मे स्वागत गीत का गायन किया। मुख्य अतिथि द्वारा प्रदशनी का अवलोकन गहनता से किया इसके पश्चात उपरोक्त विभिन्न विभागों के अधिकारियों ने अपने-अपने विभाग की उपलब्धियां प्रस्तुत की। ग्राम्य विकास विभाग द्वारा

मुख्यमन्त्री आवास योजना के लाभार्थियो को चाबी वितरण, समुहों के विभिन्न कैडर यथा समुह सखी, बैंक सखी, विद्युत सखी, कृषि सखी आदि की समूह की दीदीयों द्वारा अपने-अपने क्षेत्र मे उत्कृष्ट कार्य के लिये मुख्य अतिथि द्वारा प्रशंसा पत्र वितरित किये गयें तथा पंचायत राज विभाग के शौचालय के लाभार्थियों को स्वीकृति पत्र, आईसीडीएस विभाग की प्रधानमन्त्री मात्र बन्दन योजना के लाभार्थियों को स्वीकृति पत्र, कृषि विभाग के लाभार्थियों को किट का वितरण तथा कस्तुबा गांधी विद्यालय धनौरा एवं विभिन्न प्राथमिक विद्यालयों के मेधावी छात्र/छात्राओं को प्रोत्साहन किट का वितरण भी मुख्य अतिथि के कर कमलों द्वारा किया गया। प्रदेश सरकार के नवनिर्माण के नौ वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर कार्यक्रम में विकास प्रगति पर आधारित लद्यु फिल्म भी प्रदर्शित की गयी। सूचना विभाग में पंजीकृत कलाकारों द्वारा नुक्कड नाटक के माध्यम से सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं एवं उपलब्ध्यिों पर प्रस्तुति दी गई। अन्त मे मुख्य अतिथि द्वारा अपने उद्बोधन मे सरकार की 09 वर्ष की उपलब्धियों की विस्तार से चर्चा की धनौरा विधान सभा क्षेत्र मे विभिन्न मार्गों के चौड़ीकरण, सुद्दणीकरण के साथ नये सम्पर्क मार्गों की चर्चा की तथा शीशोंवाली ग्राम मे पहुंचने हेतु वाह नदी पर पुल निर्माण की चर्चा की तथा गंगा तिगरी धाम के सोन्दर्यकरण की भी चर्चा की तथा मुख्य अतिथि के उदबोधन के बीच उपस्थित जनसमूह ने जोरदार करतल ध्वनि से स्वागत किया। इसकें पश्चात कार्यक्रम में उपस्थित मुख्य विकास अधिकारी, अमरोहा द्वारा मुख्य अतिथि सहित समस्त आगन्तुकों का धन्यवाद ज्ञापित करते हुए कार्यक्रम के समाप्ति की घोषणा की।

# जुबिलेंट में आयोजित चार दिवसीय क्रिकेट मैच के दूसरे दिन भी खेले गए दो मैच

गजरौला/अमरोहा (सब का सपना):- विश्व क्षय रोग दिवस के उपलक्ष्य में जुबिलेंट में आयोजित चार दिवसीय क्रिकेट मैच के दूसरे दिन भी दो मैच खेले गए। पहला मैच आरएसीएल और बेस्ट क्रॉप एंड साइंस के बीच तथा रात्रि में दूसरा मैच जुबिलेंट और स्माल इंडस्ट्रीज एसोसिएशन की टीमों के बीच हुआ। विजेता टीम में मैन आफ दि मैच रहे खिलाड़ियों को पुरस्कृत किया गया।बता दें कि बुधवार की शाम जुबिलेंट इंग्रेविया लिमिटेड की फर्स्ट कालोनी में पहला मैच आरएसीएल और बेस्ट क्रॉप की टीमों के बीच हुआ। जुबिलेंट में निदेशक जनसंपर्क सुनील दीक्षित एवं पराग गोयल ने टॉस उछाला। आरएसीएल ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का निर्णय लिया।

इस टीम के खिलाड़ी वैभव सर्वाधिक 119 रन बनाकर कैच आउट हो गए। इससे पूर्व जुबिलेंट के अधिकारियों ने दोनों टीमों के खिलाड़ियों का परिचय प्राप्त किया। इस मौके पर जुबिलेंट के विनय शुक्ला, प्रताप महापात्रा, डा. सुजिंदर फोगाट, अनपुम सिंह, देवेंद्र पंवार आदि के साथ ही बेस्ट क्रॉप के यूनिट हेड शशांक बालियान, मुख्य प्रशासनिक प्रबंधक सुबोध कुमार भी मौजूद रहे। रात्रि का मैच जुबिलेंट और स्माल इंडस्ट्रीज एसोसिएशन की टीमों के बीच हुआ।

# चैत्र नवरात्रि के सातवें दिन साते मेला पर मां की आराधना में उमड़ा श्रद्धालुओं का जनसैलाब

धामपुर/बिजनौर (सब का सपना):- जनपद बिजनौर के धामपुर क्षेत्र में चैत्र नवरात्रि के पावन पर्व पर श्रद्धा और उत्साह का अद्भुत संगम देखने को मिला। नवरात्रि के सातवें दिन बुधवार को कालियावाला मंदिर में मां दुर्गा के रानी स्वरूप की विधि-विधान के साथ विशेष पूजा-अर्चना की गई। सुबह से ही मंदिर परिसर में श्रद्धालुओं की लंबी कतारें लगी रहीं। भक्तों ने माता के दर्शन कर सुख-समृद्धि और परिवार की खुशहाली की कामना की। मंदिर परिसर भक्तिमय भजनों और जयकारों से गूंज उठा, जिससे पूरा वातावरण पूरी तरह श्रद्धा में डूबा नजर आया।

व्रतधारी श्रद्धालुओं ने विधि-विधान के साथ मां की पूजा कर प्रसाद अर्पित किया। वहीं मंदिर परिसर में लगे पारंपरिक साते के मेले में भी भारी भीड़ उमड़ी। बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक सभी ने मेले का आनंद लिया और विभिन्न दुकानों पर जमकर खरीदारी की।

प्रशासन की ओर से सुरक्षा और व्यवस्था के पुख्ता इंतजाम किए गए थे, जिससे श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा का सामना नहीं करना पड़ा। पूरे क्षेत्र में नवरात्रि का उल्लास और भक्ति का माहौल साफ तौर पर देखने को मिला।

मंदिर के पुजारी रवि कुमार नाथ ने बताया कि नवरात्रि के दौरान प्रतिदिन विशेष पूजा-अर्चना की जा रही है और श्रद्धालुओं की भारी संख्या में सहभागिता हो रही।

# जहरीला पदार्थ खाने से युवक की मौत, परिजनों ने ससुराल पक्ष पर लगाया आरोप

बिजनौर (सब का सपना):- जनपद के मंडावर थाना क्षेत्र के ग्राम मुकीमपुर जमाल उर्फ इनामपुरा में एक 25 वर्षीय युवक की संदिग्ध परिस्थितियों में जहरीला पदार्थ खाने से मौत हो गई। घटना के बाद परिजनों ने ससुराल पक्ष पर युवक को जहर देकर मारने का गंभीर आरोप लगाया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, अरविंद पुत्र अतर सिंह अपनी पत्नी को लेने के लिए बिजनौर शहर के जाटान मोहल्ले गया हुआ था। इसी दौरान कथित रूप से उसने जहरीला पदार्थ खा लिया। कुछ ही देर बाद परिजनों को सूचना मिली कि युवक की हालत गंभीर है। जब तक परिजन मौके पर पहुंचे, तब तक उसकी मौत हो चुकी थी। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मृतक के भाई ने आरोप लगाया है कि अरविंद को उसकी सास सविता, साला पवन, छोटू और पत्नी प्रीति द्वारा जानबूझकर जहरीला पदार्थ दिया गया, जिसके कारण उसकी मौत हुई। इस आरोप के बाद थाने पर परिजनों और ग्रामीणों की भारी भीड़ जमा हो गई और सभी ने आरोपियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की।

फिलहाल पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

अधिकारियों का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट और जांच के आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

# मसूरी बुजुर्ग में दंपति की संदिग्ध मौत से हड़कंप

बिजनौर (सब का सपना):- कोतवाली देहात क्षेत्र के गांव मसूरी बुजुर्ग में बुजुर्ग दंपति की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत से इलाके में सनसनी फैल गई। घटना के बाद गांव में दहशत और तरह-तरह की चचाओं का माहौल बना हुआ है।

मिली जानकारी के अनुसार, 75 वर्षीय जीराज सिंह और उनकी 72 वर्षीय पत्नी रामरती देवी गांव के बाहर स्थित अपने मकान में रहते थे। मंगलवार रात दोनों की संदिग्ध हालात में मौत हो गई। बुधवार सुबह जब लोगों को इसकी जानकारी हुई तो मौके पर भारी भीड़ जमा हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने जांच शुरू की। प्रारंभिक जांच में जीराज सिंह के सिर पर चोट के निशान पाए गए, जबकि रामरती देवी के शरीर पर कोई स्पष्ट चोट नहीं मिली। पुलिस ने दोनों शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

ग्रामीणों के अनुसार, दंपति हाल ही में अपने भांजे के भात कार्यक्रम में जाने की तैयारी कर रहे थे और दो दिन पहले ही कुछ नकदी निकालकर लाए थे।

इसी को लेकर ग्रामीण हत्या की आशंका जता रहे हैं और मामले के जल्द खुलासे की मांग कर रहे हैं। वहीं कोतवाली देहात थाना प्रभारी का कहना है कि प्रारंभिक जांच में जीराज सिंह का शव घर के बाहर खंभे के पास मिला, जिससे करंट लगने की आशंका भी जताई जा रही है। वहीं महिला की मौत सदमे के कारण होने की संभावना जताई जा रही है। पुलिस का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के वास्तविक कारणों का खुलासा हो सकेगा। फिलहाल मामले की गहन जांच जारी है।

# पीएम श्री कंपोजिट विद्यालय पथरा मुस्तकम में धूमधाम से मनाया गया वार्षिकोत्सव

रहरा/अमरोहा (सब का सपना):- पीएम श्री कंपोजिट विद्यालय पथरा मुस्तकम में बुधवार को वार्षिकोत्सव कार्यक्रम बड़े ही उत्साह एवं हर्षोल्लास के साथ आयोजित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलित कर एवं फीता काटकर किया गया। विद्यालय के प्रधानाध्यापक मुनेंद्र सिंह द्वारा कार्यक्रम का अत्यंत भावपूर्ण एवं सुव्यवस्थित आयोजन किया गया।

कार्यक्रम के अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में विकास राहुल (ब्लॉक अध्यक्ष अटेवा), मोहम्मद असलम (एआरपी), देवेंद्र शर्मा (उत्तर प्रदेश प्राथमिक शिक्षक संघ ब्लॉक वरिष्ठ उपाध्यक्ष) देवराज सिंह (उत्तर प्रदेश बीटीसी शिक्षक संघ अध्यक्ष) की गरिमामयी उपस्थिति रही।

कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों द्वारा विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए, जिनमें नृत्य, गीत एवं नाट्य प्रस्तुतियों ने सभी का मन मोह लिया। इस अवसर पर प्रधानाध्यापक द्वारा सभी कक्षाओं में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले छात्रों को शील्ड प्रदान कर सम्मानित किया गया तथा विद्यालय के समस्त विद्यार्थियों को विशेष उपहार देकर उनका उत्साहवर्धन किया गया।

इस दौरान कार्यक्रम में विद्यालय प्रबंध समिति के अध्यक्ष सुरेश सिंह, उच्च प्राथमिक विद्यालय के इंचार्ज अध्यापक अमरजीत सिंह, नरेश कुमार, अंकुश त्यागी, इंद्रजीत सिंह, आशीष चौधरी, कमल सिंह, साक्षी, उषा सहित अन्य शिक्षकगण एवं गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

# 6 वर्षीय जिया की ट्यूबेल की होदी में डूबने से मौत

सैदनंगली/अमरोहा (सब का सपना):- थाना क्षेत्र सैद नंगली के गांव अल्लीपुर भूड शर्की में छः वर्षीय जिया की ट्यूबेल की होदी में डूबने से मौत हो गई। मिली जानकारी के मुताबिक थाना क्षेत्र के गांव अल्लीपुर भूड शर्की में अकरम का परिवार रहता है जिसकी छः वर्षीय पुत्री घर के बाहर बच्चों के साथ खेल रही थी। अचानक वह ट्यूबवेल पर चली गई और पानी की होदी में गिर गई जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। जिया की मौत से परिजनों में गम का माहौल है।

# समाजवादी पार्टी ने महिला सम्मान समारोह किया आयोजित

कुचेसर/हापुड़ (सब का सपना):- जनपद के कुचेसर क्षेत्र के राजा जी हवेली पर महिला सम्मान समारोह का कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर सैकड़ो महिलाएं पहुंची, जिन्हें समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता प्रोफेसर धर्मेंद्र यादव के द्वारा सम्मानित किया गया। समाजवादी पार्टी के विधानसभा अध्यक्ष आशुतोष शर्मा ने समय समय पर माता बहनों को आवश्यक सामग्री वितरण करके सम्मानित किया है। उन्होंने कहा कि वे हमेशा क्षेत्र की जनता से जुड़े रहते हैं और उनकी समस्याओं का समाधान करने के लिए हमेशा तैयार रहते हैं। आशुतोष शर्मा ने समस्त क्षेत्रवासियों से अपील की कि यदि किसी नगरवासियों को कोई समस्या हो तो वे उनसे संपर्क करें, वे हमेशा उनके साथ खड़े मिलेंगे। इस अवसर पर समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता प्रोफेसर धर्मेंद्र यादव, विधानसभा अध्यक्ष आशुतोष शर्मा, और समाजवादी पार्टी के समस्त कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

# जिलाधिकारी जसजीत कौर ने ईवीएम स्ट्रांग रूम का किया निरीक्षण

बिजनौर (सब का सपना):- जिला निर्वाचन अधिकारी/जिलाधिकारी जसजीत कौर ने कलेक्ट्रेट परिसर स्थित ईवीएम स्ट्रांग रूम का त्रैमासिक निरीक्षण कर सुरक्षा व्यवस्थाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान सभी व्यवस्थाएं मानकों के अनुरूप पाई गईं, जिससे चुनावी प्रक्रिया की पारदर्शिता और सुरक्षा को लेकर प्रशासन ने संतोष जताया।

निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने भूतल स्थित स्ट्रांग रूम के सील्ड ताले खुलवाकर विधानसभा वार संरक्षित ईवीएम मशीनों की स्थिति देखी। उन्होंने सुरक्षा व्यवस्था, अग्नि सुरक्षा, विद्युत आपूर्ति सहित अन्य आवश्यक प्रबंधों की बारीकी से जांच की। सभी व्यवस्थाएं सुचारू रूप से संचालित पाई गईं।

इसके बाद अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व वान्या सिंह ने झंडापुर स्थित वीवीपैट वेयरहाउस का निरीक्षण किया। यहां विधानसभा क्षेत्र नगीना सहित अन्य विधानसभा क्षेत्रों के लिए सुरक्षित रखी गई वीवीपैट मशीनों की सुरक्षा, साफ-सफाई और व्यवस्थाओं का जायजा लिया गया। नजीबाबाद, धामपुर, नहटौर, नूरपुर और नगीना विधानसभा क्षेत्रों के स्ट्रांग रूम भी जांचे गए, जहां सभी सुरक्षा मानक पूर्ण पाए गए।

निरीक्षण के दौरान मौजूद विभिन्न राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों ने ईवीएम और वीवीपैट की सुरक्षा व्यवस्था पर संतोष व्यक्त किया। प्रशासन की ओर से कहा गया कि चुनावी सामग्री की सुरक्षा में किसी भी प्रकार की लापरवाही नहीं बरती जाएगी और सभी व्यवस्थाओं को निरंतर मॉनिटर किया जा रहा है।

इस मौके पर सहायक जिला निर्वाचन अधिकारी प्रमोद कुमार सहित विभिन्न राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि और अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

# रियाद में मारे गए भारतीय युवक का शव सीतापुर लाया गया

**सीतापुर (एजेंसी )** । सऊदी अरब के रियाद में इस महीने की शुरूआत में एक संदिग्ध मिसाइल हमले में मारे गए उत्तर प्रदेश के 26 वर्षीय व्यक्ति का शव बुधवार को सीतापुर में उसके पैतृक गांव लाया गया। व्यक्ति के परिवार के सदस्यों ने यह जानकारी दी। महमूदाबाद थाना क्षेत्र के बघैन गांव के निवासी रवि गोपाल सितंबर 2025 से रियाद में प्लास्टिक की एक फैक्टरी में वाहन चालक के रूप में काम कर रहे थे। गोपाल के परिवार के अनुसार, फैक्टरी के पास हुए मिसाइल हमले में 18 मार्च की रात को उनकी मौत हो गयी। गोपाल के बड़े भाई मनमोहन दयाल ने पीटीआई-भाषा को बताया कि उनके छोटे भाई का शव प्रशासन की मदद से बुधवार सुबह लखनऊ में उन्हें सौंप दिया गया। उन्होंने पहले कहा था, शव सुबह करीब साढ़े नौ बजे मिला। अब हम इसे अपने गांव ले जा रहे हैं और हम संभवतः दोपहर तक वहां पहुंच जाएंगे। अंतिम संस्कार आज होगा और गांव में पहले से ही तैयारी की जा रही है। दयाल ने बताया कि इस दौरान कोई समस्या नहीं हो, यह सुनिश्चित करने के लिए महमूदाबाद के नायब तहसीलदार राकेश कुमार को तैनात किया गया और वह काफिले के साथ रहे। उन्होंने कहा कि परिवार को दूतावास के अधिकारियों और स्थानीय प्रशासन ने पहले ही सूचित कर दिया था कि शव रियाद से बुधवार सुबह तक लखनऊ लाया जाएगा। इससे पहले, परिवार ने दावा किया था कि गोपाल जिस फैक्टरी में काम करते थे, उसके पास मिसाइल हमले के बाद मलबे में दबने से उनकी मौत हो गई थी। उन्हें हमले के बाद अस्पताल ले जाया गया था जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। विदेश मंत्रालय ने कहा था कि उसे 18 मार्च को रियाद में एक भारतीय नागरिक के दुखद निधन के बारे में जानकारी मिली। उसने शोक संतप्त परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त की थी। रियाद में भारतीय मिशन ने शव को भारत वापस लाने के लिए स्थानीय अधिकारियों के साथ समन्वय किया। गोपाल अपने परिवार का एकमात्र कमाने वाला सदस्य था। उसके परिवार में पत्नी और चार साल का बेटा है। गोपाल के परिवार ने प्रशासन से मुआवजे और सहायता की मांग की है। अधिकारियों ने कहा कि औपचारिकताओं को सुचारू रूप से पूरा करने के लिए जिला प्रशासन परिवार के संपर्क में है।

# राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ द्वारा स्योहारा नगर में किया गया पद संचलन

स्योहारा/बिजनौर (सब का सपना):- राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ द्वारा स्योहारा नगर में भव्य पद संचलन कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें स्वयंसेवकों ने अनुशासन और एकजुटता का प्रभावशाली प्रदर्शन किया।

पद संचलन का शुभारंभ आरसीपी रोड स्थित केशव भवन संघ कार्यालय से हुआ। यह संचलन रियासत, मुख्य बाजार, मुरादाबाद रोड सहित नगर के प्रमुख मार्गों से होते हुए पुनः संघ कार्यालय पर संपन्न हुआ। पूरे मार्ग में नागरिकों ने पुष्प वर्षा कर स्वयंसेवकों का स्वागत किया।

कार्यक्रम में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के नगर कार्यवाह वैभव रस्तोगी एवं नगर संघचालक शोवीर सिंह की उपस्थिति रही। मुख्य वक्ता के रूप में विभाग बौद्धिक शिक्षण प्रमुख संजय सिंह ने स्वयंसेवकों को संबोधित किया। अपने उद्बोधन में उन्होंने संघ के 100 वर्ष पूर्ण होने के महत्व पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए कहा कि यह संचलन केवल एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि संगठन की शक्ति, अनुशासन और समाज के प्रति समर्पण का प्रतीक है।

उन्होंने कहा कि संघ निरंतर समाज में राष्ट्रभावना, संस्कार और सेवा की भावना को मजबूत करने का कार्य कर रहा है। इस प्रकार के आयोजन समाज के विभिन्न वर्गों को एकजुट कर सकारात्मक दिशा में प्रेरित करते हैं। पद संचलन में नगर के अनेक जागरूक नागरिकों और स्वयंसेवकों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। कार्यक्रम में नगर बौद्धिक शिक्षण प्रमुख पीयूष रस्तोगी, नगर व्यवस्था प्रमुख संजीव गर्ग, सह-व्यवस्था प्रमुख हरियोम वर्मा, नगर विद्यार्थी प्रमुख अमन अमित शर्मा, नीरज अग्रवाल, डॉ विनीत देवरा, मुकेश रस्तोगी, मनोज भटनागर, प्यारे लाल, नमन रस्तोगी, नीलू रस्तोगी सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

पूरे आयोजन के दौरान नगर में उत्साह और उल्लास का माहौल बना रहा, जिससे यह कार्यक्रम सामाजिक एकता और संगठनात्मक शक्ति का सशक्त उदाहरण बनकर उभरा।

## एलपीजी की किल्लत और 'आसमान' छूते दाम: सड़कों पर उतरीं महिलाएं, गैस सिलेंडर के साथ अनोखा प्रदर्शन

रोहतक : देश में एलपीजी गैस की किल्लत और सिलेंडर के बढ़ते दामों को लेकर कांग्रेस पार्टी ने पूरे प्रदेश में प्रदर्शन किया है तो वंही रोहतक जिले में जिला कांग्रेस भवन के सामने अनोखे अंदाज में प्रदर्शन किया है । महिलाओ ने मिट्टी के चूल्हे पर रोटी बनाकर सरकार के खिलाफ नारेबाजी की और सरकार का पुतला फूंका। प्रदर्शन में शामिल महिलाओं ने हाथों में मिट्टी का चूल्हा, बर्तन और गैस सिलेंडर के पोस्टर लेकर सरकार के खिलाफ नारेबाजी कर रोड़ पर प्रदर्शन किया । उनका कहना था कि आज आम जनता, खासकर गृहिणियां, गैस की बढ़ती कीमतों और समय पर सिलेंडर न मिलने की समस्या से परेशान हैं। महिलाओं ने प्रतीकात्मक रूप से चूल्हे पर रोटी बनाकर यह संदेश दिया कि यदि हालात ऐसे ही रहे तो लोगों को फिर से पुराने समय की तरह चूल्हे पर खाना बनाने को मजबूर होना पड़ेगा। इस प्रदर्शन में रोहतक के विधायक भारत भूषण बत्रा, प्रदेश महिला कांग्रेस अध्यक्ष पर्ल चौधरी सहित बड़ी संख्या में जिला कांग्रेस की महिला कार्यकर्ता शामिल रहीं। प्रदर्शन कर रही महिलाओं ने केंद्र और राज्य सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि महंगाई लगातार बढ़ रही है, लेकिन सरकार जनता की समस्याओं को नजरअंदाज कर रही है। वंही गैस एजेंसियों के बाहर लंबी-लंबी कतारें लग रही हैं उसके बावजूद समय पर सिलेंडर उपलब्ध नहीं हो पा रहे। उन्होंने सरकार से मांग की कि गैस की आपूर्ति सुचारू की जाए और कीमतों में राहत दी जाए, ताकि आम जनता को राहत मिल सके। साथ ही प्रदर्शन कर रही महिलाओं का कहना कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जिस तरह से कोरोना काल को याद कर आपातकाल स्थिति से निपटने की बात की है उसको लेकर जनता में संशय बना हुआ है । सरकार को स्पष्ट करना चाहिए की देश व प्रदेश में गैस की किल्लत है ।

# हरियाणा में शहरी विकास का 'नया मॉडल': मिक्स्ड लैंड यूज नीति को मंजूरी, विकास की राह से हटीं बंदिशें

चंडीगढ़ः हरियाणा सरकार ने शहरी विकास को गति देने के लिए मिश्रित भूमि उपयोग (मिक्स्ड लैंड यूज) नीति को मंजूरी दे दी है। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी की अध्यक्षता में हुई मंत्रिमंडल बैठक में लिए गए इस फैसले से लंबे समय से अटकी विकास परियोजनाओं को अब आगे बढ़ाने का रास्ता साफ हो गया है। नई नीति के तहत मिश्रित भूमि उपयोग क्षेत्रों में आवासीय, वाणिज्यिक और संस्थागत गतिविधियों को अनुमति दी जाएगी। सबसे बड़ा बदलाव यह है कि अब इसके लिए किसी तय प्रतिशत सीमा (कैप) की बाध्यता नहीं होगी। हालांकि, क्षेत्र, पहुंच, बुनियादी ढांचे और अन्य नियामकीय मानकों का पालन अनिवार्य रहेगा।

सरकार ने उपयोग के संतुलन के लिए 70:30 का फामूर्ला लागू किया है। इसके अनुसार किसी भी परियोजना में 70 प्रतिशत हिस्सा मुख्य उपयोग जैसे आवासीय या वाणिज्यिक का होगा, जबकि अधिकत्तम 30 प्रतिशत हिस्सा सहायक उपयोग के लिए रखा जाएगा।

आवश्यकता के अनुसार सहायक उपयोग को 7.5 प्रतिशत तक कम भी किया जा सकता है।

औद्योगिक उपयोग को लेकर नीति में सख्ती बरकरार रखी गई है। जहां पहले से औद्योगिक गतिविधियां शामिल हैं, वहां इन्हें मौजूदा सीमा तक ही सीमित रखा जाएगा और भविष्य में विस्तार की अनुमति नहीं होगी। हालांकि, मौजूदा परिसरों के भीतर सीमित बदलाव पर विचार किया जा सकेगा। यदि कोई भूमि स्वामी अपनी जमीन का उपयोग बदलकर आवासीय, वाणिज्यिक या संस्थागत श्रेणी में लाना चाहता है, तो उसे निर्धारित नियमों और शतों का पालन करना होगा। बिना नियमानुसार प्रक्रिया पूरी किए उपयोग परिवर्तन की अनुमति नहीं दी आएगी। ब्यूरी सरकार ने विभिन्न उपयोगों के लिए न्यूनतम भू-आकार, फ्लोर एरिया रेशियो (एफएआर) और ग्राउंड कवरेज के मानक भी तय किए हैं, जिससे परियोजनाओं की योजना और क्रियान्वयन में स्पष्टता आएगी।नई नीति से रियल एस्टेट सेक्टर को गति मिलने, निवेश बढ़ने और रोजगार के नए अवसर सृजित होने की उम्मीद है। साथ ही, उन परियोजनाओं को राहत मिलेगी जो अब तक उपयोग अनुपात स्पष्ट न होने के कारण अटकी हुई थीं।

## हरियाणा में महंगा हुआ घर खरीदना, 12 फीसदी तक बढ़ी किफायती आवास की कीमतें

हरियाणा : हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सैनी की अध्यक्षता में मंगलवार को मंत्रिमंडल की बैठक हुई। लगभग 6 घंटे चली बैठक में कुल 31 एजेंडे रखे गए जिनमें से 18 एजेंडों को मंजूरी प्रदान की गई। घर खरीदना हुआ महंगा बैठक में किफायती आवास नीति-2013 में संशोधन को मंजूरी दी है। हरियाणा शहरी क्षेत्र विकास एवं विनियमन अधिनियम 1975 की धारा ए के तहत बदलाव किए गए हैं। नीति में संशोधन का उद्देश्य किफायती आवास परियोजनाओं को प्रोत्साहन देना और लक्षित लाभार्थियों तक सही दरों पर घर उपलब्ध कराना है। राज्य में किफायती आवास की कीमत 12 प्रतिशत तक बढ़ाई गई है। मंत्रिमंडल ने उद्योग संगठनों और डिवैल्पर्स से प्राप्त अनुरोधों का ध्यान रखते हुए यह कदम उठाया है। हरियाणा में अफोर्डेबल ग्रुप हाउसिंग परियोजनाओं तहत अब अपार्टमेंट यूनिट्स की आबंटन दरों में औसतन 10 से 12 प्रतिशत तक वृद्धि की गई है।

## कनीनाः 19 वर्षीय छात्र की संदिग्ध मौत, पानी की टंकी से छलांग लगाकर दी जान; वजह अब भी अनसुलझी

कनीना : झाड़ली गांव में सोमवार की रात साढ़े आठ बजे आईटीआई छात्र रविंद्र (19) ने अपने चचेरे भाई सोमबीर को फोन कर 75 फीट ऊंची पानी की टंकी से छलांग लगा दी। इससे छात्र की मौत हो गई। पिता राधेश्याम ने बताया, रविंद्र सेहलंग आईटीआई से फीटर ट्रेड की पढ़ाई कर रहा था। सोमवार रात करीब साढ़े नौ बजे घर से मोबाइल फोन लेकर बाहर निकला था। कुछ देर बाद उसने अपने चचेरे भाई को फोन कर टंकी से कूदने की बात कही। परिजन मौके पर पहुंचे तो वह गंभीर रूप से घायल था। उसे कनीना अस्पताल ले गए, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। रविंद्र का बड़ा भाई भी आईटीआई सेहलंग में पढ़ रहा है। चचेरे भाई सोमबीर ने बताया कि उसने फोन पर रविंद्र को ऐसा कदम न उठाने के लिए काफी समझाया। कसम देकर रोकने की कोशिश की लेकिन उसने कोई जवाब नहीं दिया। परिजनों का कहना है, रविंद्र ने पहले कभी किसी परेशानी का जिक्र नहीं किया। घटना के कारणों का अब तक पता नहीं चल पाया है। कनीना सदर थाना प्रभारी आईपीएस वैशाख बागी ने बताया इत्तेफाकिया कार्रवाई की गई है।

## हरियाणा सरकार को अल्टीमेटमः दो दिन ठप रहेंगे दमकल के पहिए

चंडीगढ़ः हरियाणा में दमकल कर्मी 8 और 9 अप्रैल को दो दिवसीय हड़ताल पर रहेंगे। उनकी प्रमुख मांग फरीदाबाद की फैक्टरी में आग बुझाने के दौरान जान गंवाने वाले कर्मियों को शहीद का दर्जा देने और उनके परिजनों को नियमानुसार सभी सुविधाएं उपलब्ध कराने की है। नगर पालिका कर्मचारी संघ हरियाणा के प्रदेश प्रधान नरेश शास्त्री ने बताया कि इस हड़ताल को प्रदेश के सभी 87 नगर निकायों के कर्मचारी समर्थन देंगे। हड़ताल के दौरान दोनों दिन सभी निकायों में भोजन अवकाश के समय झाड़ू प्रदर्शन किया जाएगा। संघ ने कहा कि दिवंगत दमकल कर्मचारियों भवी चंद्र शर्मा और रणबीर ने ड्यूटी के दौरान जान गंवाई है। प्रदेश सरकार से मांग की कि इनके परिवारों को सम्मानजनक सहायता, मुआवजा और अन्य सुविधाएं जल्द उपलब्ध कराई जाएं। साथ ही सेवा के दौरान जान गंवाने वाले कर्मियों को शहीद का दर्जा देने की भी मांग उठाई गई है।

## कहाँ गई 12 हजार बोरी सरसों? हैफेड गोदाम से 4.23 करोड़ का माल गायब! स्टोर कीपर पर एफआईआर

कनीना : हरियाणा के कनीना क्षेत्र में सरकारी अनाज के भंडारण में एक बड़े घोटाले का मामला सामने आया है। गांव उन्हाणी स्थित हैफेड (HAFED) के गोदाम से करोड़ों रुपये की सरसों और सरकारी बारदाना गायब मिला है। इस सनसनीखेज खुलासे के बाद विभाग में हड़कंप मच गया है। स्टॉक के भौतिक सत्यापन के दौरान पाया गया कि गोदाम से भारी मात्रा में स्टॉक कम है।हैफेड के जिला प्रबंधक प्रवीण भारद्वाज की शिकायत पर कनीना थाना पुलिस ने झज्जर निवासी स्टोर कीपर ऋषिदेव के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। गोदाम की कुल क्षमता 13,340 मीट्रिक टन है। रिकॉर्ड के अनुसार यहाँ 29,000 सरसों के बैग होने चाहिए थे, लेकिन मिलान के दौरान 12,000 बैग कम पाए गए। जैसे ही स्टॉक में गड़बड़ी की बात सामने आई, आरोपी स्टोर कीपर ऋषिदेव मौके से फरार हो गया। पुलिस और विभाग का संदेह उस पर और गहरा गया है। जिला प्रबंधक प्रवीण भारद्वाज और गोदाम प्रबंधक वीरेंद्र सिंह ने मौके का जायजा लिया है। पुलिस आरोपी की तलाश में छापेमारी कर रही है और यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि इस खेल में और कौन-कौन शामिल है।

# युद्ध की आग में झुलसी गरीब की थाली : अटल कैंटीन में ईंधन संकट बना चुनौती...मंडी में हलचल तेज

अंबाला : अमेरिका-इजराइल और इरान के बीच चल रही जंग का असर अब किसान मजदूर अटल कैंटीन पर भी दिखने लगा है। गैस की किल्लत के कारण खाना चूल्हे पर बनाना पड़ रहा है। 1 अप्रैल से गेहूं की सरकारी खरीद शुरू होने जा रही है जिसको लेकर मंडी प्रशासन द्वारा सभी तैयारियां पूरी की जा रही है। मंडी में टूटी हुई सड़कों को भी बनाया जा रहा है साथ ही एक्स्ट्रा लाइट भी लगाई जा रही है। मंडी में किसानों के लिए पीने के स्वच्छ पानी के लिए 7 वाटर कूलर लगाए गए है, वहीं किसानों की सुविधा के लिए मंडी में रहने ठहरने खाने पीने और लाइट का अच्छा प्रबंध किया गया है । हरियाणा की अनाज मंडियों में 1 अप्रैल से गेहूं की सरकारी खरीद शुरू होने जा रही है जिसको लेकर अभी से मंडी प्रशासन द्वारा सभी तैयारियां पूरी की जा रही हैं। हालांकि मंडी में चल रही किसान मजदूर अटल कैंटीन पर भी युद्ध का असर साफ दिखाई दे रहा है। गैस की कमी होने के कारण कैंटीन में बनने वाला खाना चूल्हे पर तैयार किया जा रहा है। महिलाओं का कहना है कि गैस की कमी होने के कारण उन्हें खाना चूल्हे पर बनाना पड़ रहा है जिससे धुएं के कारण उन्हें काफी परेशानी हो रही है।बता दें कि किसानों के लिए किसान मजदूर अटल कैंटीन में 10 रुपए में घर जैसा बना खाना दिया जाता है। एक अप्रैल से होने वाली गेहूं की सरकारी खरीद को लेकर मंडी सेक्रेटरी नीरज भारद्वाज से बात की तो उन्होंने कहा कि एक अप्रैल से 15 मई तक गेहूं की

सरकारी खरीद शुरू होने जा रही है जिसको लेकर मंडी में तैयारियां चल रही है। उन्होंने कहा कि जनवरी में किसान मजदूर अटल कैंटीन को शिफ्ट कर दिया गया था और अब वहां पर कैंटीन के बहार एक्स्ट्रा बैंच भी लगाए गए है ताकि अगर हाल में किसान ज्यादा हो जाए तो बाहर बैठ कर अच्छे से खाना खा सकें। उन्होंने कहा कि काफी कार्य हो चुके है और जो भी छोटा मोटा रह गया है उसको भी एक अप्रैल से पहले ठीक कर लेंगे।

वहीं जब इनसे पूछा गया कि जिस हिसाब से बारिश के बाद मौसम में ठंडक आई है तो क्या एक अप्रैल से मंडी में गेहूं आना शुरू हो जाएगी तो उन्होंने कहा कि एक अप्रैल से तो मुश्किल है लेकिन 5 से 7 अप्रैल तक मंडी में गेहूं की आवक शुरू होने की संभावना है। उन्होंने कहा कि अबकी बार गेहूं की टरढ 2585 रुपए रखा गया है वहीं उन्होंने कहा कि पिछली बार अंबाला कैंट अनाज मंडी में एक लाख 57 हजार क्विंटल गेहूं की आवक हुई थी और अबकी बार भी लगभग इतनी ही गेहूं की आवक होने की संभावना है।

## मंडियों में संग्राम की आहटः सीएम नायब सैनी से मुलाकात का समय मांगा, मांगें न मानी तो खरीद पर संकट

चंडीगढ़ः प्रदेश के आढ़तियों ने सरसों व गेहूं की खरीद से पहले राज्य सरकार से मांग की है कि केंद्र सरकार से 13.875 रुपये अधिक कमीशन दिया जाए।

हरियाणा राज्य अनाज मंडी आढ़ती एसोसिएशन के आह्वान पर सभी जिला मुख्यालयों पर आढ़तियों ने प्रशासनिक अधिकारियों को मुख्यमंत्री के नाम 13 सूत्रीय मांग-पत्र सौंपे हैं। सीएम नायब सैनी से भी फसल खरीद से पहले मुलाकात का समय भी मांगा है। वस्तु एवं सेवाकर (जीएसटी) के पंजीकरण में छूट भी मांगी है। आढ़तियों का कहना है। पंजाब में बगैर जीएसटी पंजीकरण के कमीशन एजेंट काम कर सकते हैं। एसोसिएशन के प्रदेश अध्यक्ष डॉ. रामअवतार तायल ने हांसी जिला उपायुक्त राहुल नरवाल को मांग पत्र सौंपा। रोहतक में प्रदेश संयोजक हर्ष

गिरधर ने मांग पत्र सौंपा।

डॉ. तायल और गिरधर ने बताया कि केंद्र सरकार ने गेहूं की खरीद के लिए 46 रुपये से 50.75 रुपये प्रति क्विंटल कमीशन में बढ़ोतरी कर दी है। राज्य सरकार कमीशन के रूप में केंद्र से 9 रुपये अधिक देती है। आढ़तियों की मांग है कि राज्य सरकार केंद्र की तरफ से घोषित कमीशन से 13.875 रुपये प्रति क्विंटल अधिक दे।

न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) पर खरीदी जाने वाली फसलों सरसों, कपास, बाजरा, सूरजमुखी आदि के लिए आढ़त ढाई प्रतिशत दी जाए। किसानों के लिए तय गेटपास के नियमों को सरल करने की मांग की। जीएसटी की तरह ही आढ़तियों के सभी लाइसेंस आजीवन करने की भी मांग की है।

## सोनीपत में पनीर खाने वाले हो जाएं सावधान, गुप्ता व बालाजी कर रहे थे सेहत से खिलवाड़

सोनीपत : सोनीपत में पनीर खाने वालों के लिए खबर है! सीएम फ्लाइंग और फूड सेफ्टी विभाग ने सब्जी मंडी में छापेमारी की, जहां दो दुकानों से पनीर और मटर के सैंपल लिए गए। गुप्ता पनीर भंडार और बालाजी पनीर भंडार पर की गई इस कार्रवाई में गुप्ता पनीर भंडार के पास लाइसेंस नहीं मिला, जो चिंताजनक है। सैंपल जांच के लिए भेजे गए हैं और अगर रिपोर्ट फेल होती है तो सख्त कार्रवाई होगी।बता दें कि सब्जी मंडी में स्थित गुप्ता पनीर भंडार और बालाजी पनीर भंडार पर यह छापेमार कार्रवाई की गई है। विभाग के पास शिकायत थी कि दोनों ही जनता के साथ धोखा कर रहे हैं और मिलावटी पनीर लोगों को खिला रहे हैं। इसके बाद सीएम फ्लाइंग के साथ फूड सेफ्टी विभाग के अधिकारी मौके पर पहुंचे और दोनों जगह से पनीर और

मटर के सैंपल भरे गए। हद तो तब हो गई, जब सब्जी मंडी में स्थित गुप्ता पनीर भंडार पर पनीर बेचने का कोई लाइसेंस ही बरामद नहीं हुआ। फिलहाल दोनों के सैंपल लेकर जांच के लिए भेज दिए गए हैं। अधिकारी का कहना है कि अगर मिलावट पाई जाती है तो सख्त से सख्त कार्रवाई होगी। वहीं फूड सेफ्टी विभाग के अधिकारी वीरेंद्र कुमार का कहना है कि शिकायत के बाद सब्जी मंडी में छापेमारी की गई है।

सीएम फ्लाइंग टीम और फूड सेफ्टी विभाग के अधिकारी मौके पर पहुंचे हैं।

गुप्ता पनीर भंडार और बालाजी पनीर भंडार पर पनीर और मटर के सैंपल लिए गये है। सैंपल लेकर भेजे गए हैं अगर मिलावट पाई जाती है तो सख्त कार्रवाई की जाएगी।

## शिष्टाचार मुलाकात या सियासी संकेत? कांग्रेस विधायक इलियास ने सीएम सैनी से की मुलाकात

चंडीगढ़ : हरियाणा की राजनीति में हलचल के बीच पुनहाना से कांग्रेस विधायक मोहम्मद इलियास ने मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी से मुलाकात की है। यह मुलाकात कल देर रात मुख्यमंत्री आवास पर हुई, जिसने सियासी गलियारों में नई चचाओं को जन्म दे दिया है। सूत्रों के अनुसार इस मुलाकात के दौरान विधायक मोहम्मद इलियास ने मुख्यमंत्री नायब सैनी को विशेष रूप से मेवात क्षेत्र का दौरा करने का निमंत्रण दिया। उन्होंने क्षेत्र के विकास और स्थानीय समस्याओं को लेकर चर्चा भी की। बता दें कि कि हाल ही में हुए राज्यसभा चुनाव में क्रॉस वोटिंग करने वाले कांग्रेस विधायकों में मोहम्मद इलियास का नाम भी सामने आया था। ऐसे में उनकी मुख्यमंत्री से मुलाकात को राजनीतिक रूप से

काफी अहम माना जा रहा है। इस मुलाकात की पुष्टि मोहम्मद इलियास के बेटे ने मीडिया से बातचीत के दौरान की। उन्होंने बताया कि यह एक शिष्टाचार भेंट थी, जिसमें क्षेत्रीय मुद्दों को लेकर बातचीत की गई।

## रेलवे ने इस भर्ती में किया बड़ा बदलाव, अब लागू होगा 'नया एग्जाम पैटर्न

अंबालाः रेलवे में पदोन्नति का इंतजार कर रहे कर्मचारियों के लिए सामान्य विभागीय प्रतियोगी परीक्षा (जीडीसीई) का पैटर्न बदल दिया गया है। रेलवे बोर्ड ने परीक्षा संरचना और पाठ्यक्रम में संशोधन करते हुए नए दिशा-निर्देश जारी किए हैं। अब परीक्षा का स्तर सीधी भर्ती के समान अधिक चुनौतीपूर्ण होगा। रेलवे बोर्ड के डिप्टी डायरेक्टर अजय गोयल द्वारा जारी आदेश के अनुसार तकनीशियन, जूनियर इंजीनियर (जेई) और ग्रेजुएट व नॉन-ग्रेजुएट

(एनटीपीसी) जैसे पदों के लिए अब केवल एक चरण की कंप्यूटर आधारित परीक्षा (सीबीटी) आयोजित की जाएगी। यह परीक्षा रेलवे भर्ती बोर्ड (आरआरबी) की सीधी भर्ती के दूसरे चरण के समान पैटर्न पर आधारित होगी। असिस्टेंट लोको पायलट (एएलपी) के पदों के लिए भी स्पष्ट ve और सख्त परीक्षा ढांचा तय किया गया है। इसके तहत 100 अंकों की शी वस्तुनिष्ठ परीक्षा होगी जिसमें 100 प्रश्न पूछे जाएंगे और परीक्षार्थियों को 120 मिनट का समय मिलेगा। प्रत्येक गलत उत्तर पर एक-तिहाई अंक की नेगेटिव मार्किंग लागू होगी। प्रश्न पत्र में गणित, सामान्य बुद्धिमत्ता, बेसिक साइंस एंड इंजीनियरिंग और ट्रेड-विशिष्ट विषयों से समान अनुपात में प्रश्न शामिल होंगे।

# खाकी पर लगा 'कत्ल' का दागः पुलिस की हिरासत के बाद नाले में मिला युवक का शव, एएसआई पर हत्या का केस दर्ज

अंबाला : अंबाला के गांव हिम्मतपुरा के 23 साल के अमन का शव नाले में मिलने के मामले में पुलिस ने अपने ही एएसआई पर मामला दर्ज कर उसे हिरासत में ले लिया है। अमन और उसके साथी अशोक को अरक मोहनलाल ने 21 तारीख कि आधी रात को सार्वजनिक रूप से शराब पीते हुए पकड़ा था, इसके बाद वह दोनों युवकों को थाने ले आया। आरोप है मेडिकल के बहाने अशोक को मोहनलाल वापिस नागरिक हस्पताल ले गया और उसे छोड़ दिया लेकिन अमन दो दिन बीत जाने के बाद भी घर नहीं पहुंचा और उसका शव दो दिन बाद नाले में पड़ा मिला। अंबाला के गांव हिम्मतपुरा के रहने वाला अमन पेशे से इलेक्ट्रीशियन था और उसका दोस्त अशोक पेंटर। अशोक की मां बीमार होने के चलते लाइफ लाइन अस्पताल में एडमिट थी। अपनी मां को खाना देने के बाद अशोक और अमन अस्पताल के बाहर ही सार्वजनिक तौर पर शराब पी रहे थे की इतनी देर में एएसआई मोहनलाल वहां मौके पर पहुंचे और और दोनों को शराब पीता देख उन्हें दो-दो थप्पड़ मारे और अपने साथ थाने ले गए। परिजनों का आरोप है कि थाने में भी उनके साथ खूब मारपीट की गई। देर रात अंबाला छावनी के पुलिस कर्मियों ने अशोक को मेडिकल करने की बात कही और उसे अपने साथ ले गए लेकिन बीच रास्ते ही उसे छोड़ दिया गया। पुलिस ने सुबह 3:00 बजे अमन के घर फोन किया और कहा की उनका बेटा थाने में है उसे आकर ले जाओ । लेकिन जब परिजन थाने पहुंचे तो पुलिस ने यह कहकर उन्हें वापस लौटा दिया कि अमन थाने से जा चुका है इसके बाद परिजनों ने अमन को काफी ढूंढा लेकिन अमन नहीं मिला, दो दिन बाद परिजनों को सूचना मिली कि अमन का शव नाले में मिला है। अमन के परिजन एएसआई मोहन लाल पर हत्या का आरोप लगा रहे हैं और उसकी गिरफ़्तारी कि बात कह रहे हैं। मामला संगीन है और हरियाणा पुलिस के एएसआई पर हत्या के आरोप लगे हैं, लिहाजा अंबाला पुलिस भी इस मामले में फूंक फूंक के कदम रख रही है। पुलिस ने परिजनों के आरोपों पर पहले से दर्ज मामले में अपने विभाग के एएसआई मोहन लाल पर भी हत्या का मामला दर्ज कर लिया है। अंबाला पुलिस कप्तान अजीत सिंह शेखावत की मानें तो इस मामले में पुलिस गंभीरता से हर पहलु पर

जांच कर रही है, सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है। फिलहाल पुलिस ने मृतक अमन के परिजनों के आरोपों पर एएसआई मोहन लाल के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है, शव के पोस्टमार्टम और सीसीटीवी फुटेज खंगालने के बाद आगामी कार्यवाई की जाएगी।

# इन अजीबोगरीब इमारतों को देखकर आप भी हो जाएंगे हैरान,

## किसी का जूते तो किसी का टोकरी जैसा है आकार

दुनिया भर में कई ऐसी अजीबोगरीब और विचित्र जगहें हैं जिन्हें देख कर लोग हैरान रह जाते हैं। ऐसी कई जगह है जहां की विचित्र निर्माण शैली को देखकर आप भी सोच में पड़ जाएंगे कि बनाने वाले ने खूब बनाया है। इन्हें एक बार देखने के बाद आपका भी मन करेगा कि इन्हें प्रत्यक्ष रूप से देखा जाए। आज के इस लेख में हम आपको दुनिया की सबसे विचित्र और अनोखी इमारतों के बारे में बताने जा रहे हैं –

### उल्टा चर्च

कनाडा के कैलेग्री में स्थित चर्च को देखकर को देखकर आप भी हैरत में पड़ जाएंगे। यह चर्च देखने में उल्टा लगता है, जिसके कारण इसका नाम डिवाइस टू रूट आउट डेविल रखा गया है। इसका मतलब 'शैतान को जड़ से उखाड़ने का यंत्र।' इस चर्च की ऊंचाई करीब 7 मीटर और चौड़ाई 3 मीटर है। कनाडा आने वाले पर्यटकों के बीच यह चर्च आकर्षण का केंद्र है।

### नाचता मकान

नीदरलैंड में स्थित एक घर को देखकर आपको ऐसा लगेगा कि मकान नाच रहा है। इस अनोखे मकान का नाम दो प्रसिद्ध डांसर फ्रेड एस्टेयर और जिंजर रॉजर्स के नाम पर रखा गया है। इस इमारत के दो हिस्से हैं। पहले भाग को शीशे से बनाया गया है, वहीं दूसरा हिस्सा सीधा है। इस मकान में कुल 9 मंजिलें हैं।

### टोकरी जैसा ऑफिस

ओहियो के नेवार्क शहर में एक ऑफिस का आकार लकड़ी की टोकरी जैसा है। यह इमारत लॉन्ग बर्गर का मुख्यालय है, जो की लकड़ी की टोकरी बनाने वाली एक कंपनी थी। इस इमारत का निर्माण 1997 में हुआ था। इसके सात मंजिलों के निर्माण में लगभग 3 करोड रुपए खर्च हुए थे। इस इमारत में ऊपर स्टील के दौरान जल दिए गए हैं और नीचे की टोकरी का आकार है।

### जूते के आकार का घर

पेंसिलवेनिया जाने वाले पर्यटकों को हैंस शू हाउस को जरूर देखना चाहिए। इस घर का आकर जूते की तरह है। यह विचित्र इमारत हेलन टाउनशिप में स्थित है। दुनियाभर से पर्यटक इस बिल्डिंग को देखने आते हैं।

### पुस्तकालय के आकार की इमारत

यूनाइटेड स्टेट्स के मिजूरी में कंसास सिटी एक पुस्तकालय के आकार की है। इसे बाहर से देखने पर ऐसा लगता है कि कई सारी किताबें रखी गई हों। इस अनोखी इमारत का आकार 25 से 9 फीट है। इस लाइब्रेरी की दक्षिणी दीवार पर 22 किताबों के अनोखे डिजाइन को इमारत बनाया गया है।

# गर्मी में घूमने के लिए यह हैं बेहतरीन जगहें

**जब** गर्मी का मौसम आता है तो मन करता है कि किसी ठंडी जगह पर जाकर रहा जाए। चिलचिलाती गर्मी सिर्फ तन को ही नहीं, मन को भी झिंझोड़कर रख देती हैं। ऐसे में समर वेकेशन में हम सभी किसी कूलिंग प्लेस पर जाना चाहते हैं। वैसे इस मौसम में घूमने के स्थान का चयन बेहद सोच–समझकर करना चाहिए। तो चलिए आज हम आपको कुछ ऐसी जगहों के बारे में बता रहे हैं, जहां पर आप गर्मी के दिनों में कुछ रिलैक्सिंग पल बिता सकते हैं–

### मनाली

भारत में लोकप्रिय ग्रीष्मकालीन अवकाश स्थलों में से एक, हिमाचल प्रदेश में मनाली में प्राकृतिक सुंदरता, और रोमांच का बेहतरीन संगम है। सुरम्य शहर बर्फ से ढकी पर्वत चोटियों और ब्यास नदी द्वारा पोषित हरियाली से घिरा हुआ है। आपकी छुट्टी का मुख्य आकर्षण रोहतांग दर्रे पर बर्फ का आनंद लेना है।

### मनाली में करने के लिए चीजें :

- हडिम्बा मंदिर, वन विहार हिमालयन निंगमापा गोम्पा मठ, क्लब हाउस आदि जगहों के दर्शनीय स्थल।
- सोलंग घाटी में साहसिक खेलों में शामिल हों।
- बर्फ का मजा लेने के लिए रोहतांग दर्रे पर जाएं।
- ब्यास नदी में रिवर राफ्टिंग करें।
- कुल्लू, मणिकरण गुरुद्वारा, जोगिनी जलप्रपात, अर्जुन गुफा, भृगु झील और वशिष्ठ हॉट–वाटर स्प्रिंग्स की यात्रा करें।
- सेब के बागों में जाएं।
- कैम्पिंग और ट्रेकिंग।

### शिमला

भारत में गर्मी का मौसम बिताने के लिए शिमला एक आदर्श स्थान है। हिमाचल प्रदेश में इसे 'हिल स्टेशनों की रानी' कहा जाता है। यहां की जलवायु के कारण ही ब्रिटिश उपनिवेश यहां हर गर्मियों में बसते थे। कई आवास विकल्प हैं, और आश्चर्य है।

### शिमला में करने के लिए चीजें :

- कालका से शिमला के लिए टॉय ट्रेन की सवारी करें।
- व्हाइट वाटर राफ्टिंग करें।
- खाने, खरीदारी करने और आनंद लेने के लिए माल रोड के आसपास घूमें।
- मॉल के पास खूबसूरत क्राइस्ट चर्च की सैर करें।
- जाखू हनुमान मंदिर तक ट्रेक करें।
- वाइसरीगल लॉज, क्राइस्ट चर्च आदि की ब्रिटिश वास्तुकला का अन्वेषण करें।
- कुफरी, चैल और मशोबरा की यात्रा, खूबसूरत पहाड़ी पर्यटन स्थल को एक्सप्लोर करें।

### दार्जिलिंग

पश्चिम बंगाल में दार्जिलिंग उत्तर पूर्व में लोकप्रिय समर हॉलिडे गेटवे में से एक है। हरी चाय के बागानों से घिरा, पहाड़ी शहर एक आरामदायक गर्मी की छुट्टी के लिए एकदम सही है। प्रकृति और मनुष्य द्वारा बनाए गए सुंदर स्थलों को एक्सप्लोर करें। मठों में तिब्बती जड़ों के बारे में जानें। मनोरंजक व्यवहार, खरीदारी और बहुत कुछ में शामिल हों।

दार्जिलिंग में करने के लिए चीजें :

- पहाड़ी शहर में जाने के लिए टॉय ट्रेन की सवारी करें।
- बतासिया लूप और गोरखा युद्ध स्मारक में आनंद लें।
- हैप्पी वैली टी एस्टेट में चाय बागानों को एक्सप्लोर करें।
- टाइगर हिल से राजसी सूर्योदय देखें।
- पद्मजा नायडू जूलॉजिकल पार्क में वन्यजीवों को एक्सप्लोर करें।
- माल रोड पर खरीदारी करें।

### मुन्नार

भारत का अपना देश कहा जाने वाला केरल भारत में लोकप्रिय हॉलिडे डेस्टिनेशन में से एक है। पश्चिमी घाट की हरी–भरी गोद में बसा मुन्नार गर्मी बढ़ने पर एक सुखद पलायन है। अपने खूबसूरत नजारों, चाय के बागानों, अनोखे वनस्पतियों और जीवों, मसालों की सुगंध और सुहावने मौसम के लिए प्रसिद्ध है।

### मुन्नार में करने के लिए चीजें :

- चाय बागानों की हरी–भरी सुंदरता का आनंद लें।
- कुंडला झील, इको पॉइंट और एलिफेंट लेक पर जाएं।
- अनामुडी पीक के लिए ट्रेक करें।
- टाटा टी म्यूजियम को एक्सप्लोर करें।
- ट्री हाउस में रहें।
- इको पॉइंट तक ट्रेकिंग, माउंटेन बाइकिंग, कुंडला झील में शिकारा की सवारी।
- कार्मेलागिरी हाथी पार्क में हाथी सफारी।

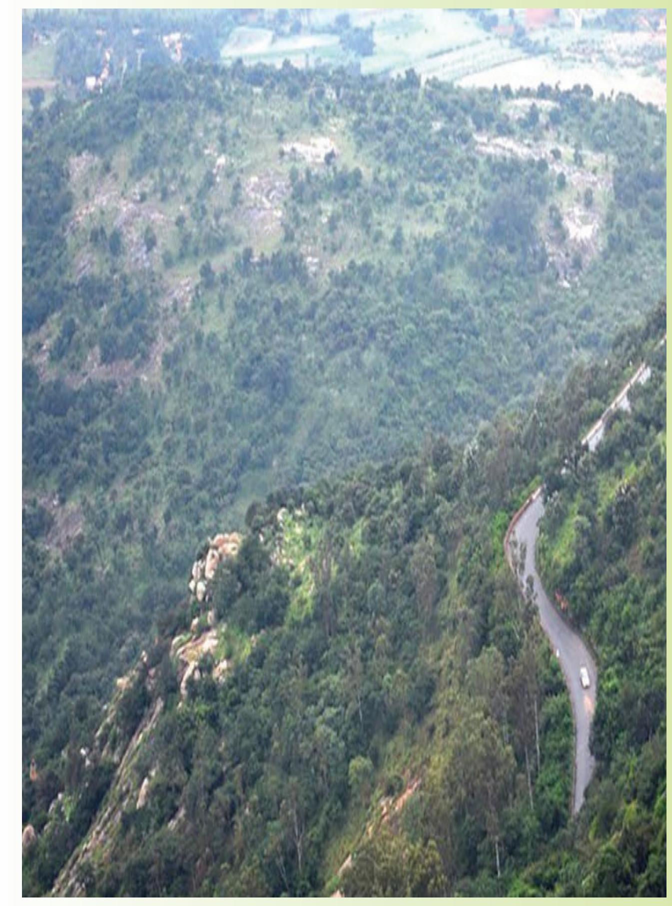

# कर्नाटक के कुछ बेहतरीन हिल स्टेशन, एक बार जरूर जाएं घूमने

भारत के दक्षिण–पश्चिमी क्षेत्र में स्थित खूबसूरत राज्य कर्नाटक अपने हाई–टेक हब, नाइटलाइफ़, भव्य महलों, पुराने मंदिरों और वन्यजीव अभयारण्यों के लिए जाना जाता है। हालांकि, इस राज्य में हरे–भरे वातावरण और शांति प्रदान करते कई हिल स्टेशन भी हैं। जो लोग शहर की भीड़भाड़ से दूर प्रकृति के बीच कुछ शांत समय बिताना चाहते हैं, वह इन हिल स्टेशनों में जा सकते हैं। हरी–भरी पहाड़ियों, झरनों और सुविधाजनक स्थानों से लेकर ऐतिहासिक आकर्षणों और एड्रेनालाईन गतिविधियों तक, कर्नाटक के हिल स्टेशनों में बहुत कुछ है। तो चलिए आज हम आपको कर्नाटक के कुछ बेहतरीन हिल स्टेशनों के बारे में बता रहे हैं–

### चिकमगलूर, कर्नाटक

चिकमगलूर चाय और कॉफी के बागानों, दूधिया–सफेद झरनों और खूबसूरत पार्कों से भरपूर है। यहां पर घूमने के लिए लोकप्रिय स्थान हेब्बे फॉल्स, कल्लाथिगिरी फॉल्स, हनुमना गुंडी फॉल्स, भद्रा वन्यजीव अभयारण्य, महात्मा गांधी पार्क, कॉफी संग्रहालय, हिरेकोले झील, कोडंदरामा मंदिर आदि हैं। अगर आप यहां पर हैं तो चाय और कॉफी के बागानों में टहलें, उच्चतम मुल्लायनगिरी चोटी पर जाएँ, क्यातनामक्की में सुंदर दृश्यों का आनंद लें, अमृतेश्वर और विद्याशंकर मंदिर में जाएं।

### नंदी हिल्स, कर्नाटक

4849 फीट की ऊंचाई पर स्थित नंदी हिल्स कर्नाटक के सबसे प्रसिद्ध हिल स्टेशनों में से एक है। हरे भरे परिवेश, ट्रेकिंग ट्रेल्स और आश्चर्यजनक दृश्यों के अलावा, इस जगह में कई स्मारकों और मंदिरों के साथ एक लोकप्रिय ऐतिहासिक किला भी है। यहां पर घूमने के लिए लोकप्रिय स्थान टीपू की बूंद, टीपू का ग्रीष्मकालीन निवास, अमृता सरोवर, भोग नंदीश्वर मंदिर, ब्रह्मश्रम, नेहरू निलय, ग्रोवर ज़म्पा वाइनयार्ड आदि है।

### सिरसी, कर्नाटक

घने जंगलों के बीच बसा कर्नाटक का यह आकर्षक हिल स्टेशन, बैंगलोर से एक आदर्श वीकेंड गेटवे है। विविध वन्यजीवों से भरे घने उष्णकटिबंधीय जंगलों से लेकर सुरम्य झरनों और हरी–भरी पहाड़ियों तक, सिरसी की प्राकृतिक सुंदरता आपको मंत्रमुग्ध कर देगी। अगर आप यहां पर हैं तो मुरेगर फॉल्स, शिवगंगा फॉल्स, बुरुड फॉल्स, उंचल्ली फॉल्स, विभूति फॉल्स, मरिकंबा मंदिर, श्री महागणपति मंदिर, गुडवी पक्षी अभयारण्य आदि जगहों को जरूर एक्सप्लोर करें।

### माले महादेश्वर या एमएम हिल्स, कर्नाटक

सात पहाड़ी श्रृंखलाओं, एमएम हिल्स समुद्र तल से 3200 फीट की ऊंचाई पर स्थित है और 'स्वयंभू' या स्वयं प्रकट रूप में भगवान शिव के साथ एक प्राचीन मंदिर के लिए प्रसिद्ध है। धार्मिक स्थलों के अलावा, यह स्थान वनस्पतियों और जीवों में समृद्ध है, जो इसे वन्यजीव प्रेमियों और एड्रेनालाईन के दीवाने लोगों के बीच एक लोकप्रिय आकर्षण बनाता है। यहां पर आने वाले हर यात्री को श्री माले महादेश्वर मंदिर, थाला बेट्टा, नागमाले हिल्स आदि जगहों पर जरूर जाएं। साथ ही घने जंगलों में हाथियों और अन्य जानवरों को देखना ना भूलें।

### गंगामूला, कर्नाटक

हरे–भरे और घने जंगलों से घिरा गंगामूला उन लोगों के लिए एक आदर्श स्थान है जो प्रकृति की गोद में क्वालिटी टाइम बिताना चाहते हैं। हिल स्टेशन एक धुंधली जलवायु और आश्चर्यजनक परिदृश्य और आकर्षण का आनंद लेता है। यह स्थान तीन महत्वपूर्ण नदियों– तुंगा, भद्रा और नेत्रावती का उद्गम स्थल होने के लिए भी प्रसिद्ध है। यहां पर घूमने के लिए लोकप्रिय स्थानों में हनुमना गुंडी जलप्रपात, श्री अन्नपूर्णेश्वरी मंदिर, सिरिमाने जलप्रपात, गोमतेश्वर प्रतिमा, चतुर्मुख बसदी, श्री वेंकटरमण मंदिर, अंबा तीर्थ आदि शामिल है। अगर आप यहां पर हैं तो कुरिंजल पीक और नरसिम्हा पर्वत के लिए ट्रेक, कुद्रेमुख राष्ट्रीय उद्यान की प्राकृतिक सुंदरता को देखें। भगवती प्रकृति शिविर में प्रकृति की सैर, जीप सफारी और ट्रेकिंग का आनंद लें।

# गर्मियों की छुट्टियों में घूमने का प्लान बना रहे हैं तो भूलकर भी इन जगहों पर न जाएं वरना पड़ेगा पछताना

**हर** साल गर्मियों की छुट्टी में लोग कहीं ना कहीं घूमने जाते हैं। यह एक ऐसा समय होता है जब आप अपने परिवार के साथ अच्छा समय बिताते हैं और खूब मौज मस्ती करते हैं। ऐसे में गर्मियों की छुट्टियों में भारत की कई जगहों पर सैलानियों की भारी भीड़ देखने को मिलती है। लेकिन गर्मियों में कहीं भी घूमने का प्लान बनाने से पहले वहां का तापमान जरूर देख लें। गर्मियों में तेज धूप और लू में कहीं बाहर घूमना किसी सिरदर्द से कम नहीं है। ऐसा में अगर आप किसी ऐसी जगह घूमने का प्लान बना लेते हैं जहां भीषण गर्मी होती है तो आपका समय और पैसा दोनों बर्बाद होंगे। आज के इस लेख में हम आपको बताएंगे कि गर्मियों में कहां जाने से बचना चाहिए –

### आगरा, उत्तर प्रदेश

वीकेंड ट्रिप के लिए लोग अक्सर आगरा घूमने का प्लान बनाते हैं। यहाँ पर मौजूद दुनिया के सातवें अजूबे को देखने के लिए दुनियाभर से लोग आते हैं। आगरा में घूमने के लिए और भी कई बेहतरीन जगहें हैं। लेकिन गर्मी में यहाँ घूमना आपके लिए सिरदर्द बन सकता है। दरअसल, गर्मियों के मौसम में आगरा का तापमान बहुत बढ़ जाता है। तेज धूप में संगमरमर से बना ताजमहल भी तपने लगता है और आप कहीं बाहर भी नहीं घूम सकते हैं। इसलिए यहाँ गर्मियों में जाने का प्लान ना ही बनाएं।

### जैसलमेर, राजस्थान

राजस्थान का जैसलमेर न केवल भारतीय बल्कि विदेशी पर्यटकों की लिस्ट में भी शामिल है। जैसलमेर को गोल्डन सिटी के नाम से भी जाना जाता है। यहाँ हर साल दुनिया भर से लाखों पर्यटक आते हैं और सफारी का लुफ्त उठाते हैं। खाना की गर्मियों में जिप्सी गिरी शहर में घूमना काफी कठिन हो सकता है। गर्मियों में जैसलमेर का टेंपरेचर 40 डिग्री सेल्सियस के पार चला जाता है। इतनी भीषण गर्मी में जैसलमेर की यात्रा करना अच्छा आइडिया नहीं है।

### गोवा

घूमने के शौकीन लोगों की लिस्ट में गोवा का नाम सबसे ऊपर आता है। यहां लोग अपने दोस्त या पार्टनर के साथ मौज मस्ती करने के लिए पहुंचते हैं। यहां के खूबसूरत बीच, नाइटलाइफ और खुला माहौल युवाओं को अपनी ओर आकर्षित करता है। लेकिन गर्मियों के मौसम में गोवा घूमने का प्लान बनाने से पहले एक बार जरूर सोच लें। गर्मियों में तेज धूप में आप ठीक तरह से घूम नहीं पाएंगे और आपके पैसे सिर्फ बर्बाद ही होंगे।

### चेन्नई, दक्षिण भारत

दक्षिण भारत का चेन्नई शहर घूमने के लिहाज से बेहतरीन है। यहां कई सारे मंदिर, बीच और अन्य दार्शनिक स्थल हैं। लकी गर्मियों में यहां का पर बहुत अधिक बढ़ जाता है। ऐसे में गर्मियों के मौसम में चेन्नई में घूमना मुश्किल हो जाता है। इसलिए आप गर्मियों में चेन्नई घूमने का प्लान ना ही बनाएं।

# 'भूत बंगला' में वामिका गब्बी ने अपने एक्शन सीन खुद किए हैं

फिल्म 'भूत बंगला' को लेकर वामिका गब्बी काफी उत्साहित हैं। इस फिल्म में वह बिल्कुल ही अलग अंदाज में दर्शकों से रूबरू होंगी। हाल ही में फिल्म से जुड़ी एक अपडेट सामने आई, जिससे पता चलता है कि एक्ट्रेस खिलाड़ी कुमार यानी अक्षय कुमार से काफी इंस्पायर है। वह उनके नक्शे-कदमों पर चल रही हैं।

अक्षय कुमार के साथ बिठाया तालमेल

सूत्रों के अनुसार फिल्म 'भूत बंगला' में वामिका गब्बी ने अपने एक्शन सीन खुद किए हैं। एक्ट्रेस ने एक ट्रेन सीक्वेंस शूट किया, जिसमें वह ट्रेन के किनारे पर खड़ी थीं। इस सीन के लिए अक्षय कुमार के साथ एकदम सही तालमेल और टाइमिंग की जरूरत थी। वामिका ने अक्षय कुमार का पूरा साथ दिया।

पिछले दिनों फिल्म 'भूत बंगला' का टीजर रिलीज हुआ। इसमें अक्षय कुमार जहां अपनी कॉमेडी से हंसाते हैं। वहीं डरावना माहौल भी टीजर में दिखता है। अक्षय कुमार का लुक भी टीजर में काफी अलग नजर आया है। कहानी के अलावा बाकी कलाकारों की भी झलक भी टीजर में दिखती है, इसमें वामिका भी नजर आईं। टीजर से ही हिंट मिला है कि इसमें एक रहस्मयी जीव है जो सबको डराता है।

## कब रिलीज होगी फिल्म?

फिल्म 'भूत बंगला' में अक्षय कुमार, वामिका गब्बी के अलावा परेश रावल, तब्बू और राजपाल यादव भी हैं। यह फिल्म 10 अप्रैल को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। इस फिल्म में असरानी की भी झलक मिलेगी। पिछले साल इस दिग्गज अभिनेता ने दुनिया को अलविदा कह दिया था।

# 'धुरंधर 2 में' परवीर कौर ने कम स्क्रीन टाइम के बावजूद जीता सबका दिल

**'धुरंधर 2' में एक छोटा सा सीन आता है, जहां जसकीरत सिंह रंगी और उनकी छोटी बहन जसलीन से मिलता है। वो सीन काफी इमोशनल होता है। आइए उस एक्ट्रेस के बारे में जानते हैं, जिन्होंने ये किरदार निभाया।**

परवीर कौर पंधेर फिल्म में जसलीन कौर रंगी का किरदार निभाती हैं। परवीर पंजाबी सिनेमा की उभरती हुई एक्ट्रेस और सिंगर हैं और इस फिल्म के साथ उनका बॉलीवुड में डेब्यू था। पंजाब की रहने वाली परवीर कौर पंधेर ने पंजाबी म्यूजिक वीडियोज, गानों और फिल्मों के जरिए मजबूत फैनबेस बनाया है। इंस्टाग्राम पर उनके 8.5 लाख से ज्यादा फॉलोअर्स हैं, जहां वह अपने सिंगर से एक्टर बनने के सफर को शेयर करती रहती हैं। भले ही परवीर कौर पंधेर का स्क्रीन टाइम कम था, लेकिन जसकीरत सिंह रंगी और जसलीन के सीन ने सबके दिलों में जगह बना ली। 'धुरंधर 2' में जसकीरत सिंह रंगी की छोटी बहन जसलीन सिंह किडनैप हो जाती है, जिसे बचाने के लिए जसकीरत एक विधायक के घर में घुसकर अपने पिता और बड़ी बहन की मौत का बदला लेने के लिए 12 लोगों को मार देता है। इसके बाद जसकीरत को उसकी बहन जसलीन एक झोपड़ी में काफी बुरी हालत में मिलती है। इसके बाद भाई-बहन के मिलने वाला इमोशनल सीन, सबके दिल में जगह बना लेता है। इसे 'धुरंधर : द रिवेंज' का सबसे इमोशनल सीन भी कहा जा रहा है।

## फिल्म का हिस्सा बनकर खुश हूं

हाल ही में परवीर कौर पंधेर ने इंस्टाग्राम पर अपने सीन से जुड़ी पोस्ट शेयर की और अपने अनुभव को शेयर किया। उन्होंने लिखा, 'इस सीन को परफॉर्म करके मुझे सच में अपने आप पर बहुत गर्व महसूस हुआ। खुद को पहचानना मुश्किल था, थोड़ा डर भी लग रहा था। लेकिन वाहीगुरु हमेशा मेरा साथ देता रहा, और इस फिल्म का हिस्सा बनकर मैं बहुत खुश हूं।'

# अभिनेता और निर्देशक के बाद निर्माता बने कुणाल खेमू

**कुणाल खेमू ने बॉलीवुड में बतौर चाइल्ड आर्टिस्ट शुरुआत की, फिर लीड एक्टर के तौर पर काम किया। पिछले साल निर्देशक के तौर पर पहली फिल्म बनाई। अब वह अपना प्रोडक्शन हाउस शुरू कर रहे हैं। कुणाल का मकसद अलग किस्म की फिल्में बनाने का है।**

सोशल मीडिया पर कुणाल खेमू ने यह जानकारी साझा की है कि वह प्रोडक्शन हाउस शुरू कर रहे हैं। इस प्रोडक्शन हाउस को उन्होंने चिराग निहलानी के साथ शुरू किया है। पिछले साल कुणाल ने मडगांव एक्सप्रेस को निर्देशित किया था, यह उनके डायरेक्शन में बनी पहली फिल्म थी। इस फिल्म को दर्शकों ने सराहा था।

कैसी फिल्में बनाएंगे कुणाल खेमू?

अपने प्रोडक्शन हाउस तले कुणाल और चिराग ऐसी कहानियों को सपोर्ट करना चाहते हैं जो मनोरंजक हो, दिलचस्प और दमदार हों। वह ऐसी फिल्में बनाना चाहते हैं, जो क्रिएटिविटी, एटरटेनमेंट का बैलेंस बनाकर चलें। कुणाल खेमू भले ही निर्माता बन गए हों लेकिन वह दूसरे प्रोडक्शन हाउस की फिल्मों में अभिनय कर रहे हैं। इस साल वह फिल्म 'गोलमाल 5' में नजर आएंगे। इस फिल्म को रोहित शेट्टी निर्देशित कर रहे हैं। इस फिल्म में अजय देवगन, अक्षय कुमार, अरशद वारसी के अलावा कई उम्दा कलाकार भी नजर आएंगे।

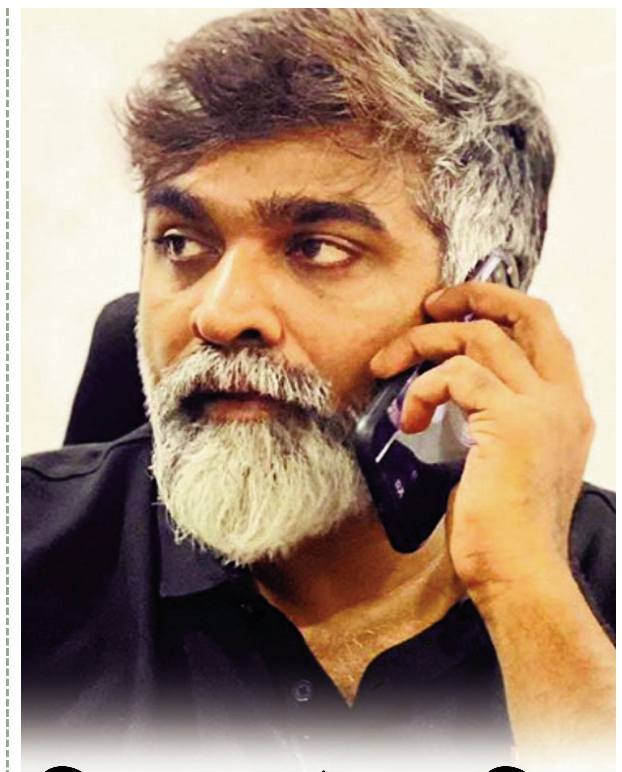

# विजय सेतुपति की 'महाराजा' का सीक्वल बनेगा

विजय सेतुपति की ब्लॉकबस्टर फिल्म 'महाराजा' का सीक्वल बनने जा रहा है। खुद विजय सेतुपति ने कन्फर्म किया है कि फिल्म के डायरेक्टर निथिलन समिनाथन ने दूसरे पार्ट की कहानी पूरी कर ली है। विजय ने कहा कि वे इस फिल्म की कहानी सुनने के लिए बहुत एक्साइटेड हैं। 2024 में रिलीज हुई फिल्म महाराजा ने बॉक्स ऑफिस पर रिकॉर्ड तोड़ कमाई की थी और अब इसके दूसरे पार्ट की तैयारी शुरू हो गई है।

## डायरेक्टर निथिलन ने तैयार की स्क्रिप्ट

हाल ही में दिए एक इंटरव्यू में विजय सेतुपति ने फिल्म के फ्यूचर प्लान पर खुलकर बात की। उन्होंने बताया कि 'महाराजा 2' की कहानी पर काम पूरा हो चुका है। विजय ने कहा, निर्देशक निथिलन समिनाथन ने महाराजा 2 की कहानी पूरी कर ली है। मैं इसे जल्द ही सुनने के लिए बहुत एक्साइटेड हूं। हालांकि, एक्टर ने अभी यह साफ नहीं किया है कि फिल्म फ्लोर पर कब जाएगी।

## 2024 की सफल फिल्मों में से एक 'महाराजा'

बता दें कि जून 2024 में रिलीज हुई 'महाराजा' विजय सेतुपति के करियर की 50वीं फिल्म थी। इस फिल्म में विजय ने एक ऐसे साधारण नाई का किरदार निभाया था, जिसकी जिंदगी में एक हादसा सब कुछ बदल देता है। फिल्म की सस्पेंस भरी कहानी और विजय सेतुपति की एक्टिंग ने दर्शकों का दिल जीत लिया था। 20 करोड़ के बजट में बनी इस फिल्म ने वर्ल्डवाइड बॉक्स ऑफिस पर 100 करोड़ रुपए से ज्यादा का कलेक्शन किया था।

## सीक्वल में क्या हो सकता है खास?

'महाराजा' के पहले पार्ट का क्लाइमेक्स और उसकी कहानी की बुनावट फिल्म की सबसे बड़ी ताकत थी। फिल्म में अनुराग कश्यप ने विलेन का रोल निभाया था। अब सीक्वल की खबर आने के बाद सोशल मीडिया पर चर्चा शुरू हो गई है कि क्या कहानी वहीं से आगे बढ़ेगी या विजय सेतुपति किसी नए सस्पेंस के साथ पर्दे पर लौटेंगे।

# आउटसाइडर्स को मौका देंगी आलिया

आलिया भट्ट ने हाल ही में अपने नए प्रोडक्शन प्रोजेक्ट 'डोंट बी शाय' को लेकर बड़ा खुलासा किया। उन्होंने बताया कि वह इस फिल्म के जरिए इंडस्ट्री के 'आउटसाइडर्स' यानी नए चेहरों को मौका देने जा रही हैं। यह बात आलिया ने करण जोहर के साथ अमेजन प्राइम के इवेंट के दौरान शेयर की, जहां दोनों के बीच मजेदार बातचीत भी देखने को मिली। करण ने मजाक करते हुए कहा कि आलिया अब एक समझदार प्रोड्यूसर बन चुकी हैं, वहीं आलिया ने जवाब दिया कि उन्होंने 'बेस्ट से सीखा है' कि नए एक्टर्स को कैसे लॉन्च किया जाता है।

'डोंट बी शाय' एक आने वाली फिल्म है, जो एक 20 साल की लड़की की कहानी पर आधारित है, जिसकी परफेक्ट लाइफ अचानक बदल जाती है। इस फिल्म को आलिया अपनी बहन शाहीन भट्ट के साथ मिलकर प्रोड्यूस कर रही हैं। कुल मिलाकर, आलिया अब सिर्फ एक एक्ट्रेस ही नहीं, बल्कि नए टैलेंट को आगे लाने वाली प्रोड्यूसर के रूप में भी अपनी अलग पहचान बना रही हैं।

# कोई मुझे किसी चीज के लिए रोकता है तो पसंद नहीं

दिव्या दत्ता आज किसी परिचय की मोहताज नहीं हैं। पंजाबी फिल्मों से लेकर बॉलीवुड और अब ओटीटी तक की दुनिया में वह धूम मचा रही हैं। साल 1994 में एक्टिंग डेब्यू करने के बाद दिव्या दत्ता ने अपने 32 साल लंबे करियर में कई तरह के किरदार निभाए और अपनी पहचान पुख्ता की। 2017 में आई 'इरादा' के लिए नेशनल अवॉर्ड जीत चुकीं दिव्या दत्ता इस वक्त अपनी नई सीरीज 'चिरैया' को लेकर चर्चा में हैं, जो रिलीज हो चुकी है। मैरिटल रेप जैसे संवेदनशील मुद्दे पर आधारित सीरीज 'चिरैया' के साथ-साथ दिव्या दत्ता ने इंटरव्यू में सिस्टरहुड, शादी रूपी संस्था पर बात की। इसके अलावा उन्होंने औरतों को एम्पावर करने की अहमियत, औरतों के बीच इन्सिक्योरिटी, अपनी शादी और पितृसत्तात्मक सोच को लेकर बात की।

**आपकी सीरीज में एक जेठानी अपनी देवरानी के लिए खड़ी होती है, जो देखना काफी सुखद है। औरतों का एक-दूसरे को एम्पावर करना, सपोर्ट करना आप कितना जरूरी मानती है?**

बहुत जरूरी है क्योंकि हमारे समाज में बहुत सी औरतें अपने लिए बोल नहीं पातीं। ऐसे में, कोई अपना नजरिया साइड में रखकर आपको सुने, एक-दूसरे को थामे तो हमारे समाज के लिए बहुत खूबसूरत बात होगी। मेरे भाई ने एक कविता लिखी थी- 'तुमने कहा था कि हम एक ही हैं तो अपने बराबर कर दो।' उसने लड़का होकर महिलाओं पर लिखी थी, जो बहुत पसंद की गई, बहुत वायरल हुई और मैं सोचती थी कि यह कविता इतनी क्यों हिट हुई? फिर मुझे अहसास हुआ कि बहुत सी महिलाएं बोल ही नहीं पातीं कि अपने बराबर कर दो ना। इस कविता के जरिए उन्हें लगा कि किसी ने तो उनके मन की बात बोली जो वो खुद नहीं बोल पातीं। इसी तरह इस शो में एक महिला दूसरी के लिए खड़ी हुई, वो भी उस रिश्ते में जो खून का नहीं है। वो मां बेटी नहीं, देवरानी जेठानी हैं, जिनके बीच मुकाबले, इनसिक्योरिटी की ही चर्चा होती है तो ये कितनी प्यारी बात है।

**निजी जिंदगी में ऐसी कोई पितृसत्तात्मक सोच रही, जिसके खिलाफ विद्रोह करने का मन किया? या आपने उसे तोड़ा हो?**

मेरी मां सिंगल मदर थीं। मैंने अपने पिता जी को बहुत कम उम्र में खो दिया था। उन्होंने अकेले ही मुझे पाला और हमें अपने फैसले खुद लेने की आजादी दी। उन्होंने मुझे बताया था कि उन्हें कहा गया था कि तुम्हें डॉक्टर ही बनना है तो वो डॉक्टर बन गईं। वो बहुत अच्छा लिखती थीं और बाद में भी लिखती रहीं। लेकिन उन्हें वो चुनने की आजादी नहीं मिली, तो उन्होंने मुझसे कहा कि अगर तुम एक्टर बनना चाहती हो तो बनो। मैं कल को ये नहीं सुनना चाहती कि तुम कहो कि मैं ये करना चाहती थी पर मेरी मां ने नहीं करने दिया। वो आजादी मेरे पास रही और इस सोच के साथ मैं बड़ी हुई हूं। ऐसे में, अगर कोई मुझे किसी चीज के लिए रोकता है, ऐसा अब भी होता है कि नहीं, नहीं ऐसे नहीं करो, तो मुझे पसंद नहीं और जहां मुझे लगता है कि बोलना चाहिए तो मैं बोल देती हूं।

**'चिरैया' मैरिटल रेप जैसे संवेदनशील मुद्दे पर आधारित है। इस पर आपकी निजी राय क्या है?**

असल में यह एक महिला की कहानी है, जिसकी जिंदगी में सब कुछ खूबसूरत चल रहा है। हालांकि, उसे जो सही या नॉर्मल लगता है, वो असल में है नहीं, मगर ये फैसला कौन करेगा कि क्या सही है, क्या गलत, क्योंकि हमारे यहां बहुत से लोगों को सही-गलत मालूम ही नहीं होता। एक ढर्रा चलता जाता है। हालांकि, हम कोई आंदोलन नहीं कर रहे हैं, पर यह कहानी इतनी रिलेटेबल है कि आपको लगेगा कि इसके बारे में लोगों का जागरूक करना चाहिए, क्योंकि बहुत से लोगों को पता ही नहीं है कि ऐसा हो रहा है।

**शादी रूपी संस्था के बारे में आपकी क्या राय है? सलमान खान समेत बहुत से लोग अब इसे प्रासंगिक ही नहीं मानते ! आपने खुद शादी की अनिवार्यता की धारणा तोड़ी है !**

मुझे समझ नहीं आता कि इसे इतना बड़ा मुद्दा क्यों बनाया जाता है? हर कोई मुझसे शादी को लेकर पूछता है। मुझे लगता है कि मुझे इसका जवाब ही नहीं देना है। इसमें धारणा तोड़ने जैसी बात ही नहीं है। यह मेरी जिंदगी है। मैं जैसा चाहूंगी वैसा करूंगी। उस पर बात करना उसे जस्टिफाई करना मुझे जरूरी नहीं लगता। बाकी रही दूसरों की सोच की बात, तो हर किसी का अपना नजरिया है। बहुत से लोग शादी करना चाहते हैं, कई नहीं करना चाहते। दोनों में से कोई भी गलत नहीं है। दोनों का अपना नजरिया है और हमें दोनों का सम्मान करना चाहिए।

स्वामी मुद्रक व प्रकाशक अनुज कुमार के द्वारा एजीएस पब्लिकेशंस एफ 23, सेक्टर 6, गौतम बुध नगर, उत्तर प्रदेश 201301 से मुद्रित व गांव बुखारीपुर, पोस्ट ढवारसी, तहसील हसनपुर, जनपद अमरोहा, उत्तर प्रदेश पिन कोड 244242 से प्रकाशित।
संपादक-अनुज कुमार, R.N.I. No.-UPHIN/2023/86483, मो0.945688 4327, E-mail-officialsabkasapna@gmail.com, www.sabkasapna.com नोट- समस्त विवादों का न्यायिक क्षेत्र अमरोहा जनपद न्यायालय होगा।